!! श्री कृष्ण शरणम् मम:!!

आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

वर्ष-11। अंक 67। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर
रविवार,
09 मार्च,
2025

# मध्यप्रदेश में धर्मांतरण कराने वालों को होगी फांसी

## सीएम बोले-हमारी सरकार ऐसा प्रावधान करने जा रही; महिला दिवस पर लाड़ली बहनों को राशि ट्रांसफर

संवाददाता ● भोपाल

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस शनिवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धर्मांतरण कराने वालों को फांसी की सजा का प्रावधान करने जा रहे हैं।

**कार्यक्रम**

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- मासूम बेटियों के साथ दुराचार करने वाले मामले में सरकार बहुत कठोर है। इस संबंध में फांसी का प्रावधान किया गया है। जोर जबरदस्ती से बहला फुसलाकर जो दुराचार करेगा, हमारी सरकार उसको छोड़ने वाली नहीं है। किसी हालत में ऐसे लोगों को जीवन जीने का अधिकार नहीं देना चाहते।

धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के माध्यम से, जो धर्मांतरण कराएंगे उनके लिए फांसी का प्रबंधन हमारी सरकार द्वारा किया जा रहा है। किसी हालत में न तो धर्मांतरण, न दुराचरण चलेगा, सरकार ने संकल्प लिया है कि इनके साथ कठोरता से पेश आएंगे।

### लाड़ली बहनों के खातों में 1552.73 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर

कार्यक्रम में उन्होंने 1.27 करोड़ महिलाओं के खाते में लाड़ली बहना योजना के 1250 रुपए ट्रांसफर किए। सिंगल क्लिक में मार्च 2025 की लगभग 1552.73 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई है। उज्ज्वला योजना की गैस कनेक्शनधारक महिलाओं के खाते में डीबीटी के जरिए भी राशि ट्रांसफर की गई। इस दौरान सीएम की सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं की कमान महिला अधिकारियों के हाथों सौंपी गई। सीएम ने महिलाओं और बच्चों के क्षेत्र में समाज सेवा, सुरक्षा, वीरता और साहसिक कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, निर्मला भूरिया, सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवान दास सबनानी और विधायक रामेश्वर शर्मा भी मौजूद रहे।

### नारी सशक्तिकरण को लेकर जो भी हो सकता है कर रहे

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा, महिला बाल विकास, पुलिस विभाग और ग्रामीण एवं पंचायत विभाग का संयुक्त आयोजन किया गया। इसमें नई योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पेश की गई। महिलाओं की नियुक्ति के प्रमाण पत्र दिए गए।

**सीएम ने महिला अधिकारियों को मंच पर बैठाया**

सीएम डॉक्टर मोहन यादव ने महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव रश्मि अरुण शमी समेत अन्य महिला अधिकारियों को मंच पर बैठाया। कार्यक्रम की शुरुआत के दौरान वे मंच के सामने बैठी थीं। इस पर सीएम ने उन्हें मंच पर आने का इशारा किया।

सीहोर में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 200 से ज्यादा ई-साइकिल दी गईं। लाड़ली बहनों और उज्ज्वला गैस कनेक्शनधारी महिलाओं को राशि ट्रांसफर की गई। मुझे बताया गया है कि स्व-सहायता समूह के माध्यम से हमारे प्रदेश में लखपति दीदियां बनी हैं। नारी सशक्तिकरण को लेकर जो भी हो सकता है हमारी सरकार कर रही है।

### महिलाएं संभाल रहीं सीएम की सुरक्षा की कमान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सीएम डॉ. मोहन यादव की सुरक्षा और कारकेड सहित अन्य व्यवस्थाओं की सारी कमान महिलाएं संभाल रही हैं। सुरक्षा की जिम्मेदारी उप पुलिस अधीक्षक बिट्टू शर्मा के पास है। वहीं मुख्यमंत्री का वाहन इंस्पेक्टर इरशाद अली चला रही हैं।

कारकेड के वाहनों की जिम्मेदारी सपना सहित अन्य महिला चालकों पर है। ओएसडी का दायित्व अंडर सेक्रेटरी श्रीलेखा श्रोत्रिय निभा रही हैं। प्रेस अधिकारी की जिम्मेदारी बिंदू सुनील और सोनिया परिहार के पास है।

## न्यूज ब्रीफ

### चैंपियंस ट्रॉफी में आज खिताबी मुकाबला

**दुबई ।** चैंपियंस ट्रॉफी 2025का फाइनल मुकाबला 9 मार्च, रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाने वाला है। दोनों टीमें इस ऐतिहासिक पल के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। टीम इंडिया पहले से ही दुबई में अपनी तैयारियों में जुटी हुई है, जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने साउथ अफ्रीका को हराकर लाहौर से दुबई की उड़ान भर ली है

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के इस बहुप्रतीक्षित फाइनल में अंपायरों और रेफरी की लिस्ट का ऐलान कर दिया है। इसमें चार अंपायर और एक मैच रेफरी होंगे जो इस मैच की निगरानी करेंगे। इस सूची में मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और रिचर्ड इलिंगवर्थ, तीसरे अंपायर जोएल विल्सन, चौथे अंपायर कुमार धर्मसेना, मैच रेफरी रंजन मदुगले ये सभी दिग्गज मौजूद रहेंगे।

### कर्नाटक में दो महिलाओं से गैंगरेप, 3 को पानी में फेंका

**बेंगलुरू।** कर्नाटक के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हम्पी में सनापुर झील के पास कुछ अज्ञात लोगों ने 27 वर्षीय इजरायली महिला पर्यटक और 29 वर्षीय होमस्टे संचालिका के साथ दुष्कर्म किया। उनके साथ मौजूद तीन पुरुषों के साथ मारपीट कर उन्हें तुंगभद्रा नहर में फेंक दिया। इनमें से एक युवक का शव शनिवार सुबह बरामद हुआ। वहीं, अमेरिका और महाराष्ट्र के दो अन्य पर्यटक मारपीट में घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जांच के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई है।

### अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति का संबोधन

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि यह दिवस मनाने की परंपरा के पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस कालखंड में नारी समुदाय ने अभूतपूर्व प्रगति की है। मैं अपनी जीवन यात्रा को भी इसी प्रगति की कड़ी मानती हूं। स्वावलंबी, स्वाभिमानी, स्वतंत्र और सशक्त नारी के बल पर ही विकसित भारत का निर्माण हो सकता है। विकसित भारत का संकल्प हम सब का संकल्प है, जिसे हम सभी को मिलकर पूरा करना है।

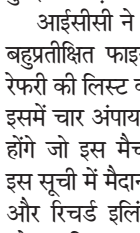

## मणिपुर में कुकी समुदाय के लोगों ने बसें रोकीं

# फ्री ट्रैफिक मूवमेंट के पहले दिन हिंसा, 1 की मौत

एजेंसी ● मणिपुर

मणिपुर में कुकी और मैतेई बहुल इलाकों में करीब 2 साल बाद फ्री ट्रैफिक मूवमेंट शुरू होते ही हिंसा भड़क उठी। इंफाल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, विष्णुपुर और सेनापति को जोड़ने वाली सड़कों पर शनिवार को जैसे ही बसें चलनी शुरू हुईं, कुकी समुदाय के लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया।

**विरोध**

सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में एक पुरुष प्रदर्शनकारी की मौत हो गई, जबकि 25 अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान लालगौथांग सिंगसिट (30 साल) के रूप में हुई है। लालगौथांग झड़प के दौरान गोली लगने से घायल हुआ था। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

कुकी-जो काउंसिल ने प्रेस रिलीज जारी कर आज की हिंसा के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। काउंसिल ने कहा- सरकार इस तरह का फैसला लागू करने पर हिंसा की आशंका से पूरी तरह वाकिफ थी। हम कुकी इलाकों में अनिश्चितकालीन बंद की घोषणा करते हैं। सुरक्षाबलों के पैलेट गन इस्तेमाल करने की खबर प्रदर्शनकारियों ने आवाजाही रोकने के लिए सड़कों पर पत्थर बिछा दिए। सड़कों पर पेड़ काटकर गिरा दिए। कई जगह गाड़ियां खड़ी कर सड़कें रोक दीं। बसों, कारों में आग लगा दी। हिंसा कर रहे लोगों को रोकने के लिए सुरक्षाबलों ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। जवाब में प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी की।

सुरक्षाबलों की ओर से पैलेट गन का इस्तेमाल होने की भी खबर है। कुछ तस्वीरों-वीडियोज में घायलों के शरीर पर पैलेट गन के छर्रों के निशान दिख रहे हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सरकारी बसों को CRPF और स्थानीय पुलिस की सुरक्षा में चलाया गया। इसके अलावा रेड जोन में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई।

**सुरक्षाबलों ने आंसू गैस छोड़ी, 25 घायल**

### कुकी बोले- सरकार फैसले पर फिर विचार करें

कुकी काउंसिल ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा- झड़प में 50 से ज्यादा महिलाएं घायल हुई हैं। सुरक्षाकर्मियों के बल प्रयोग करने से हमारा संकल्प और भी मजबूत हो गया है। काउंसिल शांति का समर्थन करती है लेकिन शांति थोपने से नाराजगी और संघर्ष होगा। हम सरकार से इस फैसले पर दोबारा विचार करने का आग्रह करते हैं। काउंसिल मैतेई लोगों की स्वतंत्र आवाजाही की गारंटी नहीं दे सकती। हम किसी भी अप्रिय घटना के जिम्मेदार नहीं होंगे। सरकार के फैसले का तब तक कड़ा विरोध किया जाएगा जब तक समुदाय के लिए स्थायी शांति का राजनीतिक समाधान नहीं निकल जाता।

**अमित शाह ने फ्री मूवमेंट का ऐलान किया था**

गृह मंत्री अमित शाह ने 1 मार्च को मणिपुर के हालात पर गृह मंत्रालय में समीक्षा बैठक की थी। गृह मंत्री ने 8 मार्च से मणिपुर में सभी सड़कों पर बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा था। साथ ही सड़कें ब्लॉक करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

**मुख्य सचिव बोले- सामान्य स्थिति बहाल होगी**

मणिपुर के मुख्य सचिव पीके सिंह ने कहा कि राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हम सभी प्रयास कर रहे हैं। राजधानी इंफाल से चुराचांदपुर के बीच हेलिकॉप्टर सेवाएं 12 मार्च से शुरू होंगी। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक आवागमन में बाधा डालने के किसी भी प्रयास पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### भारत टैरिफ में कटौती पर सहमत : ट्रंप

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत अपने शुल्क में 'पर्याप्त' कटौती करने के लिए सहमत हो गया है, क्योंकि 'भारत अमेरिका पर बहुत अधिक शुल्क लगाता है, जिससे वहां उत्पाद बेचना मुश्किल हो जाता है।' ट्रंप ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस से दिए बयान में कहा, "आर्थिक, वित्तीय और व्यापारिक दृष्टिकोण से हमारे देश को दुनिया के लगभग हर देश ने पूरी तरह से ठगा है। उन्होंने कहा, "कनाडा, मेक्सिको और फिर आप सीधे लाइन में चले जाइए। भारत हम पर बहुत ज्यादा शुल्क लगाता है, बहुत ज्यादा। आप भारत में कुछ भी नहीं बेच सकते। यह लगभग प्रतिबंधात्मक है। हम अंदर बहुत कम व्यापार करते हैं।" ट्रंप ने कहा, "वैसे, वे इस बात पर सहमत हो गए हैं कि अब वे अपने शुल्क में कटौती करना चाहते हैं।

### रूस का मिसाइल अटैक, 14 की मौत

**कीव।** यूक्रेन में शांति समझौतों पर आम चर्चा के बीच रूस ने बड़ा मिसाइल और ड्रोन अटैक किया है। उत्तरी यूक्रेनी शहर दोब्रोपिल्लिआ में रूसी सेना द्वारा रातभर किए गए हमले में 14 लोग मारे गए हैं, जिनमें पांच बच्चे भी शामिल हैं। इनके अलावा 37 लोग घायल भी हुए हैं। रूसी सेना डोनेस्क क्षेत्र में लगातार हमलों को अंजाम दे रही है और इस क्षेत्र में डोनबास पर कब्जे की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि रूसी सेना शुक्रवार रात बैलिस्टिक मिसाइलें, कई राकेट्स, और ड्रोन से हमले किए, जिसमें आठ बहु-मंजिला इमरातें जमींदोज हो गईं। हमले में 30 वाहन तबाह हो गए। एक अन्य हमले में खार्कीव क्षेत्र में तीन लोगों की मौत हुई है। इस बीच जेलेंस्की ने रूस के उद्देश्यों पर सवाल उठाते हुए शांति और सुरक्षा बढ़ाने के लिए अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ सामरिक चर्चाओं की ओर ध्यान केंद्रित करने की बात कही है।

# नारी का सम्मान समाज और देश के विकास की पहली सीढ़ी : मोदी

एजेंसी ● नवसारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के नवसारी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दस चयनित लखपति दीदियों से बातचीत की और उनमें से पांच को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी मौजूद थे।

नवसारी के वानसी-बोरसी में लखपति दीदी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, नारी का सम्मान समाज और देश के विकास की पहली सीढ़ी है। इसलिए भारत को विकसित देश बनाने के लिए, भारत के तेज विकास के लिए, आज भारत महिला-नेतृत्व वाले विकास के रास्ते पर चल पड़ा है। हमारी सरकार महिलाओं के जीवन में सम्मान और सुविधा दोनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।"

उन्होंने कहा, "आज हम सभी के लिए महिलाओं से प्रेरणा लेने, उनसे सीखने का दिन है। आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। मेरे जीवन के खाते में करोड़ों माताओं, बहनों, बेटियों का आशीर्वाद है और यह लगातार बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में सबसे गर्व की बात यह है कि एक सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाली हमारी राष्ट्रपति ने इस बिल पर मुहर लगाई। वह दिन दूर नहीं जब आप में से कोई सांसद या विधायक बनेगा। ग्रामीण भारत की आत्मा ग्रामीण नारी के सशक्तिकरण में बसती है।"

यहां नवसारी के इस कार्यक्रम में हम नारी शक्ति के सामर्थ्य को देख सकते हैं। इस आयोजन की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं ने संभाली है। इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी और अधिकारी सभी महिलाएं हैं। यह नारी शक्ति के सामर्थ्य का एक उदाहरण है। विकसित भारत का संकल्प पूरा होने नारी शक्ति बड़ी भूमिका निभाएगी।"

### शतरंज ग्रैंडमास्टर वैशाली ने संभाला पीएम मोदी का सोशल मीडिया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर

वैशाली रमेशबाबू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक्स' अकाउंट का संचालन किया। वैशाली ने अपने पोस्ट की शुरुआत करते हुए लिखा, "वणक्कम! मैं वैशाली हूं और मुझे बेहद खुशी हो रही है कि महिला दिवस के अवसर पर मुझे प्रधानमंत्री मोदी जी का सोशल मीडिया अकाउंट संभालने का मौका मिला।

# राहुल ने कहा- कांग्रेस के 30-40 फूल छाप नेताओं को करना होगा बाहर

### उनकी मानसिक स्थिति बिगड़ी : सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी ● अहमदाबाद

राहुल गांधी ने अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, "अगर हमें गुजरात के लोगों से जुड़ना है, तो हमें दो काम करने होंगे। पहला काम वफादारों और बागियों के ग्रुप को अलग करना है। अगर हमें 10, 15, 20, 30, 40 लोगों को भी हटाना पड़े, तो हम एक उदाहरण स्थापित करने के लिए ऐसा करने के लिए तैयार हैं।*

कांग्रेस नेता ने कहा, "कांग्रेस में जो लोग गुप्त रूप से बीजेपी के लिए काम कर रहे हैं, उन्हें सामने आना चाहिए और बीजेपी के लिए खुलकर काम करना चाहिए। आइए, उन्हें देखें। बीजेपी के पास आपके लिए जगह नहीं होगी। वे आपको बाहर निकाल देंगे।" राहुल गांधी ने शनिवार को माना कि कांग्रेस पिछले तीन दशकों में गुजरात के लोगों की उम्मीदों को पूरा करने में असमर्थ रही है, क्योंकि कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग बीजेपी के साथ अंदर से मिलीभगत रखता है। राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि विरोधियों को कांग्रेस से बाहर निकालने से गुजरात के लोग पार्टी पर भरोसा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोगों के साथ रिश्ता बनाने और कांग्रेस के छिपे हुए बागियों को निकालने का उन्होंने फैसला किया है।

राहुल गांधी ने इसे लेकर पोस्ट भी लिखा। कांग्रेस पार्टी को मूल नेतृत्व गुजरात ने दिया, जिसने हमें सोचने, लड़ने और जीने का तरीका सिखाया। गांधीजी के बिना कांग्रेस पार्टी देश को आजादी नहीं दिलवा पाती और गुजरात के बिना गांधी जी नहीं होते। गुजरात ने हमें सरदार पटेल को दिया। आज वही गुजरात रास्ता ढूंढ रहा है। यहां के छोटे व्यापारी, उद्यमी, किसान - सब संकट में हैं। गुजरात नया विकल्प चाह रहा है, लेकिन कांग्रेस पार्टी उसे दिशा नहीं दिखा पा रही है।

### उनकी मानसिक स्थिति बिगड़ी : सुधांशु त्रिवेदी

गुजरात कांग्रेस पर पार्टे के नेता राहुल गांधी के दिए बयान के बाद बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस सांसद दूसरे पर दोषारोपण करते-करते अपनो पर भी दोषारोपण करने लगे हैं। बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अपनी पार्टे के लोगों को पब्लिकली अपमानित करना यह केवल राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टे ही कर सकती है। जबसे राहुल गांधी और सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टे आई है तभी से गुजरात के अंदर कांग्रेस की बुरी स्थिति हो गई है। राहुल वामपंथियों और नक्सलियों का समर्थन करते हैं। मीडिया को गाली देते-देते अब अपनी पार्टे के नेताओं को भी गाली देना शुरू कर दिया है, इसलिए मैं कहता हूं कि ये राहुल गांधी की बिगड़ती मनःस्थिति का नतीजा है। उन्होंने कहा, "पीएम मोदी ने देश के गृहमंत्री रहे सरदार वल्लभभाई पटेल की सबसे ऊंची प्रतिमा बनवाई, लेकिन आज तक कांग्रेस का कई देखने नहीं गया है।

### संस्था देवी अहिल्या बाल एवं युवा विकास समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह पर

# 'विश्व कल्याणी' भव्य समारोह

संवाददाता ● इंदौर

**समारोह**

संस्था देवी अहिल्या बाल एवं युवा विकास समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में "विश्व कल्याणी" टैगलाइन के साथ एक भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सशक्त महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती आशा कैलाश विजयवर्गीय, अधिवक्ता जूही पुष्यमित्र भार्गव, मुग्धा गोलू शुक्ला एवं युक्ता बर्वे उपस्थित रहीं। इनके करकमलों द्वारा समाज सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासन, खेलकूद एवं अन्य क्षेत्रों में योगदान देने वाली महिलाओं को स्मृति चिन्ह एवं तुलसी का पौधा प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित महिलाओं में डॉ. सुधा जैन (सहायक प्राध्यापक, समाज कार्य महाविद्यालय), शीतल जी (CSR मैनेजर, आईशर), डॉ. तुलसी श्रृंगी (पीएचडी, अरविंदो हॉस्पिटल), दीपाली जी (HR मैनेजर, मोयरा सरिया), नम्रता सामंत (NCC अधिकारी), एस्ट्रो अलका सैनी, सविता अखंड (भाजपा नगर महामंत्री), शैलजा मिश्रा (नगर अध्यक्ष, महिला मोर्चा), पूजा भार्गव (TT कोच), रूपाली चौबे (अधिवक्ता), मीना बाली (सफाई मित्र) आदि शामिल रहीं। संस्था की डायरेक्टर युक्ता बर्वे ने संस्था की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं ने अपने अस्तित्व और व्यक्तित्व को चरितार्थ किया है और "विश्व की प्रत्येक नारी आबाद रहे, जिंदाबाद रहे" का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन योग विशेषज्ञ सारिका गुप्ता एवं समाज कार्य अध्ययनरत अनामिका दुबे ने किया। इस आयोजन में मोहित जाट, चेतन चौहान, निखिल राजपूत, हर्षिता कामदार, पलक ठाकुर, शोभा, पूजा यदुवंशी सहित संस्था की पूरी टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के उपरांत लगभग 120 मातृशक्तियों ने फाग उत्सव मनाया और सभी ने स्नेहपूर्वक सामूहिक भोजन किया।

## शॉट न्यूज

### मैं न अच्छा बेटा बन सका, न अच्छा इंसान, दे रहा हूं जान

**इंदौर।** द्वारकापुरी इलाके में एक स्टूडेंट ने कॉलेज की बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड से पहले उसने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी शेयर की थी। जिसमें लिखा था- "मेरे जैसा इंसान किसी का नहीं। मैं न अच्छा बेटा बन सका, न अच्छा इंसान। इसलिए अब मैं यह कदम उठा रहा हूं।" द्वारकापुरी थाना प्रभारी (टीआई) राहुल राजपूत ने बताया कि, यह घटना स्कीम नंबर 71, गुमाश्ता नगर स्थित वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की है। 21 वर्षीय छात्र मयूर राजपूत, जो प्रजापत नगर का निवासी था, तीसरी मंजिल से कूद गया। वह बीएससी तृतीय वर्ष का छात्र था। टीआई राजपूत के अनुसार, मयूर ने आत्महत्या से पहले इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की थी, जिसमें उसने लिखा था कि, वह अपने करीबियों को खुश नहीं रख सका।

### डेढ़ साल पहले हत्या : कोर्ट ने दो लोगों को दी उम्रकैद

**इंदौर।** सड़क पर टक्कर लगने के विवाद में एक युवक की हत्या के मामले में जिला कोर्ट ने दो दोषियों को उम्रकैद और 5-5 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह घटना 16 अगस्त 2023 की है, जब फॉरच्यूनर कार सवार धीरेंद्र पांचाल और अतुल जैन पर स्कूटर सवार दो युवकों ने हमला कर दिया था। रात करीब 9:30 बजे, धीरेंद्र और अतुल अपने दोस्त निखिल खंडारे से मिलकर द्वारकापुरी स्थित घर लौट रहे थे। जब वे लाबरिया भैरू चौराहे से चंदन नगर चौराहे की ओर बढ़ रहे थे, तभी लकड़ी मंडी गेट के पास स्कूटर सवार दो युवक अचानक उनकी कार के सामने आ गए। धीरेंद्र ने तुरंत कार का ब्रेक लगाया, जिस पर गुस्साए स्कूटर सवारों ने अपनी स्कूटर कार के सामने रोक दी।

### दूध व्यवसायी के घर पर पथराव थाने जाते वक्त रोका, धमकाया

**इंदौर।** द्वारकापुरी इलाके में दूध संचालक की पत्नी से हुए विवाद के बाद डीजे संचालक और उसके साथियों ने उनके घर पर पथराव कर दिया। घटना के बाद महिला ने डायल 100 पर कॉल कर पुलिस बुलाई, लेकिन मौके पर पहुंची एफआरवी (फर्स्ट रिस्पॉन्स व्हीकल) टीम ने यह कहकर कार्रवाई नहीं की कि यह क्षेत्र उनके थाने के अंतर्गत नहीं आता। जब दंपती खुद थाने जाने लगे तो रास्ते में आरोपियों ने उन्हें रोककर धमकाया। फिलहाल, पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। द्वारकापुरी पुलिस ने शिकायत के आधार पर डीजे संचालक धर्मेंद्र साहू, राहुल और उनके साथियों के खिलाफ मारपीट, धमकी और पथराव का केस दर्ज किया है।

## INMO की 10वीं वर्षगांठ पर 'The White Party' का भव्य आयोजन

संवाददाता ● इंदौर

**आयोजन**

INMO, जो कि एक मजबूत और प्रभावशाली कम्युनिटी है, अब सिर्फ इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसकी मम्मी मेंबर्स पूरे देशभर में फैली हुई हैं। महिलाओं के लिए खास तौर पर बनाई गई इस कम्युनिटी ने अपने शानदार 10 साल पूरे कर लिए हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को सेलिब्रेट करने के लिए 8 मार्च , महिला दिवस के अवसर पर, "The White Party" का आयोजन किया गया। यह सिर्फ एक पार्टी नहीं थी, बल्कि यह महिलाओं के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म था जहाँ उन्होंने ढेरों प्रतियोगिताओं में भाग लिया, खूब मस्ती की, नए कनेक्शन्स बनाए और खुद को सेलिब्रेट किया। INMO की फाउंडर कोमल करे जोशी का कहना है कि किसी भी कम्युनिटी को 10 साल तक मजबूती से बनाए रखना आसान काम नहीं होता। यह तभी संभव हो सकता है जब हर मेंबर का सहयोग और कम्युनिटी के हर व्यक्ति के दिल तक पहुंचने की कला हो।

सोचिए एक ऐसा फेसबुक ग्रुप, जहाँ हर माँ को वो सारी मदद मिले जो उसे अपनी जिंदगी में चाहिए—चाहे वो पेरेंटिंग टिप्स हों, करियर गाइडेंस, हेल्थ एडवाइस,

या फिर बस एक सच्ची दोस्त की तलाश। INMO वही कम्युनिटी है, जो हर माँ को अपनापन और सहारा देती है। यह सिर्फ एक ग्रुप नहीं, बल्कि एक बड़ा परिवार है जहाँ महिलाएँ एक-दूसरे की छोटी-बड़ी जरूरतों में काम आती हैं, अपने अनुभव साझा करती हैं और एक-दूसरे को सपोर्ट करती हैं। यहाँ हर दिन नई दोस्ती होती है, नए अवसर बनते हैं और हर माँ को वह प्यार और अपनापन मिलता है जिसकी उसे जरूरत होती है। इस कार्यक्रम में जूही भार्गव और संध्या जायसवाल प्रमुख रूप से उपस्थित थीं। इसके अलावा, कार्यक्रम को अपने शानदार व्यक्तित्व से रोशन करने वाले मेहमानों में सुरभि भार्गव, रूचि मुंद्रा, श्रुति विन्सेंट, अभिषेक बोबरिया, सनातन दगड़ी, सोनल पारीक, पूजा नारंग, विनीता कुमार, दिशा जयसिंघानी और ऐश्वर्या जोशी शामिल रहे। इस शानदार इवेंट में हर महिला ने अपनी चमक बिखेरी और INMO के इस ऐतिहासिक सफर का हिस्सा बनकर इसे यादगार बनाया। यह पार्टी न सिर्फ एंटरटेनमेंट और मस्ती से भरी थी, बल्कि यह महिलाओं के सपनों, उनकी उपलब्धियों और उनके आपसी सहयोग का भी जश्न था।

## देशभर में महाराजा अग्रसेन के सिद्धांतों पर आधारित अग्र भागवत के प्रति भारी उत्साह

**इंदौर।** निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर अब तक कर चुके 137 आयोजन- जल्द ही इंदौर एवं मालवांचल में भी आयोजित होगी कथा इंदौर 8 मार्च। कलयुग के अवतारी, गरीबों के मसीहा और सारे देश में धर्म, संस्कृति के संस्थापक अग्रवाल समाज के पितृ पुरुष महाराजा अग्रसेन के सिद्धांतों एवं आदर्शों पर आधारित अग्र भागवत कथा का आयोजन इन दिनों पूरे देश में चल रहा है। अ.भा. अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग की प्रेरणा से निरंजनी अखाड़ा के महांडलेश्वर आचार्य नर्मदाशंकर पुरी महाराज देश में अब तक 137 स्थानों पर अग्र भागवत का उत्साहपूर्ण आयोजन कर चुके हैं। जल्द ही इंदौर सहित मालवांचल के विभिन्न शहरों में भी अग्र भागवत के आयोजन होंगे। म.प्र. वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री अरविंद बागड़ी ने बताया कि महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी नर्मदाशंकर पुरी महाराज ने शनिवार को इंदौर पहुंचने पर समाजबंधुओं से मुलाकात के दौरान उक्त जानकारी देते हुए बताया कि अग्र भागवत में वर्तमान में तीन दिवसीय संगीतमय आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पहले दिन अग्र भागवत की शोभायात्रा एवं महाराजा अग्रसेन के जन्मोत्सव एवं माता महालक्ष्मी के आशीर्वाद, दूसरे दिन अग्रसेन महाराज एवं माधवीजी के विवाह प्रसंग तथा तीसरे दिन महाराजा अग्रसेन के राज्याभिषेक एवं 18 गोत्रों का वर्णन किया जा रहा है। हैरानी की बात यह भी है कि इन सभी पूर्वोत्तर राज्यों में अग्रवाल, माहेश्वरी एवं जैन समाज के बंधुओं ने मिलकर अग्र भागवत का आयोजन रखा, जहां प्रत्येक अनुष्ठान में तीन-तीन हजार समाजबंधु शामिल हुए।

### मंत्री प्रहलाद पटेल के बयान को लेकर दोनों प्रमुख दल आमने-सामने

## कांग्रेसियों ने धरना-प्रदर्शन-नारेबाजी की भाजयुमो ने पुतले को भर्ती करवाया

संवाददाता ● इंदौर

**प्रदर्शन**

कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को कलेक्टर कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर मंत्री प्रहलाद पटेल के इस्तीफे या बर्खास्त करने की मांग की। यह धरना प्रदर्शन शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा और सदाशिव यादव के नेतृत्व में किया गया। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि प्रहलाद पटेल ने जनता को भिखारी कहकर देश की प्रजातांत्रिक शासन प्रणाली को कलंकित किया है और जनता का अपमान किया है।

कांग्रेस पार्टी ने मांग की है कि प्रहलाद पटेल को मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए या फिर राज्यपाल उन्हें बर्खास्त करें। यह धरना प्रदर्शन कलेक्टर चौराहे पर आयोजित किया गया था और इसमें कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भाग लिया था। कांग्रेस पार्टी ने यह धरना प्रदर्शन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर किया है दूसरी ओर पूर्व विधायक अश्विन जोशी ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को पागल और महापौर भार्गव को गधा बताया। उन्होंने कहा कि हमारे शहर के लोगों ने एक पढ़ा-लिखा महापौर चुना। वह गधा किसी काम का नहीं। लोग निराश हैं। शायद आने वाले समय में कोई पढ़े-लिखे व्यक्ति को वोट नहीं देगा। प्रजातंत्र में दाता केवल मतदाता को कहा जाता है। लगातार चुनाव जीतने वाले व्यक्ति ने उस दाता को भिखारी बता दिया। भाजपा की लगातार जीत ने इनकी भाषा बदल दी। अश्विन जोशी के बयान पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने पलटवार करते हुए कहा कि उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। इसके बाद भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष सौगात मिश्रा कार्यकर्ताओं के साथ जोशी का पुतला बनाकर मानसिक चिकित्सालय पहुंचे। यहां डॉक्टरों से उसे भर्ती करने का कहा। हालांकि डॉक्टर ने पुतले को भर्ती करने से मना कर दिया।

दरअसल मंत्री प्रहलाद पटेल के बयान के विरोध में शनिवार को कलेक्टर चौराहे पर कांग्रेसी प्रदर्शन कर रहे थे। प्रह्लाद पटेल के बयान के खिलाफ कांग्रेस के धरना प्रदर्शन में शामिल हुए अश्विन जोशी ने इस दौरान कैलाश विजयवर्गीय और महापौर को लेकर टिपण्णी कर दी थी

## दानवीर की कीर्ति सर्वत्र फैलती हैं, धन सुविधा देता है

संवाददाता ● इंदौर

**सुख नहीं - मुनिश्री विनम्र सागर जी महाराज**

**कार्यक्रम**

मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज ने आज प्रगति कॉन्वेंट स्कूल, व्यंकटेश विहार कॉलोनी, में आचार्य विद्यासागर जी महाराज को याद करते हुए कहा कि गुरुदेव गहरी और सुंदर बात कहते थे, वे कहते थे कि, सूरज को , चंद्रमा को, हिमालय को, हवा को सब जानते हैं, ऐसे ही दानवीर को भी सभी जानते हैं। दान देने से चेहरे की चमक बढ़ती है। दानवीर हमेशा प्रसन्न और संतुष्ट रहते हैं। अपने प्रवचन में आपने कहा कि मंदिर के अंदर बजने वाले हारमोनियम,तबले जो बजते हैं, वो सामान्य नहीं होते । ये चीज हमें भगवान तक पहुंचाने वाली होती है या भगवान को हम तक पहुंचाने वाली होती है। जिसका प्रभु के प्रति विशेष प्रेम उमड़ता है, उसे प्रभु पार्षद कहते हैं। आप सभी के लिए मैं प्रभु पार्षद हूं। शायद ये आप लोगों के लिए एक नया शब्द होगा। मुनि श्री ने कहा कि दान दाता केवल दान का दाता

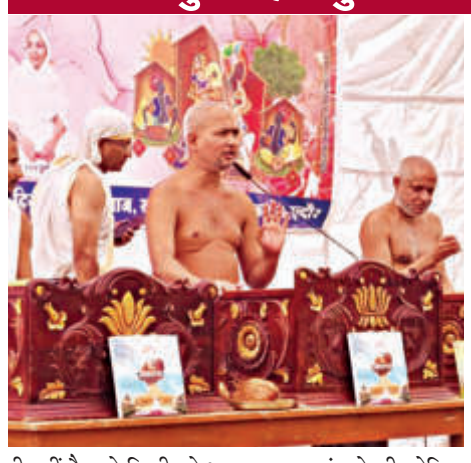

ही नहीं है , वो किसी को भगवान तक पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। आपने कहा कि धन की ताकत और मर्यादा दोनों को पहचानो । धन सुविधा देता है , सुख नहीं देता। आमिटती है और साधु को केवल ज्ञान होता है । मंदिर शांति के लिए बनाए जाते हैं। अपने पुरुषार्थ से कमाया हुआ धन ही मंदिर निर्माण में लगाना चाहिए। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि आज रेवती रेंज स्थित सर्वतो भद्र जिनालय में एक प्रतिमा की राशि की घोषणा श्री संजय-श्रीमती मृदुला- अनमोल कासलीवाल परिवार, प्रगति कॉन्वेंट स्कूल एवं एक प्रतिमा स्थापित करने की राशि की घोषणा का सौभाग्य, निर्मल कुमार -श्रीमती शशि जैन - साहिल जैन सी ए परिवार को प्राप्त हुआ । कार्यक्रम के प्रारंभ में मंगलाचरण के पश्चात आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन अतिथियों द्वारा किया गया। मुनि श्री निस्वार्थ सागर जी भी मंच पर मौजूद थे। इस अवसर पर श्री मनीष नायक, स्वर्ण कुमार जैन, सचिन जैन, सतीश जैन, दीपक सोधिया, प्रफुल्ल जैन, सचिन जैन सहित बहुत अधिक संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

### श्रीविद्याधाम पर चल रही शिवपुराण कथा में स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ के प्रेरक आशीर्वचन आज होगा समापन

## निर्मल बुद्धि मिल गई तो अंदर का पशुत्व नष्ट होकर हमें देवत्व की ओर ले जाएगा : शंकराचार्य

संवाददाता ● इंदौर

**समापन**

भगवान से जब भी मांगे, सबसे पहले निर्मल बुद्धि मांगे। भगवान से यदि निर्मल बुद्धि मिल गई तो हमारे अंदर का पशुत्व नष्ट होकर हमें देवत्व की ओर ले जाएगा। सत्संग, पूजा-अर्चना की पात्रता केवल मनुष्य को मिली है, पशुओं या अन्य जीवों को नहीं। सदगति की पात्रता भी केवल मनुष्य को है, अन्य जीवों को नहीं। हमें इस दिव्य भारत भूमि में जन्म मिलना ही परमात्मा की ओर से सबसे बड़ा उपहार है। भगवान शिव और उनका पूरा परिवार लोक कल्याण के लिए ही है। कई बार मनुष्य अपने अहंकार के चलते दो पैर के बजाए चार पैर वाला बन जाता है। अहंकार मुक्त जीव ही शिव है। शिव तत्व के ज्ञान से काल मृत्यु को भी जीता जा सकता है।

जगदगुरू शंकराचार्य, भानपुरा पीठाधीश्वर स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ ने शनिवार को विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम परिसर में ओम जय-जय अम्बे भक्तजन मंडल एवं श्री श्रीविद्याधाम परिवार द्वारा आयोजित श्री शिव पुराण कथा में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। इस मौके पर शंकराचार्यजी के शिष्य, युवाचार्य स्वामी वरुणेन्द्र तीर्थ भी उपस्थित थे। विद्याधाम आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के

सानिध्य में आयोजन समिति की ओर से प्रारंभ में पुलिस कंट्रोल रूम के ड्यूटी आफिसर रविशंकर, श्रीमती विद्या-नितिन शाह, सीताराम विश्वकर्मा, विजय राठौर, श्रीमती मीना धर्म, घनश्याम गोयल आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया। भक्तों और संतों की अगवानी मोहनलाल दमेले, महेन्द्र माहेश्वरी, नरेन्द्र शर्मा, विनोद सोनी एवं जयंतीदेवी अग्रवाल ने की।

### अमृत कलश हाथ में होते हुए भी हम उसे पी न सकें

शंकराचार्यजी ने कहा कि शक्ति के बिना शिव का कोई महत्व नहीं होता। शिव के जितने स्वरुप हैं, उनकी शक्तियां भी वर्णित की गई है। साक्षात महादेव की प्रिया पार्वती है। महिला राष्ट्रपति का उल्लेख करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि वर्तमान में भारत में भी मातृशक्ति है। शिव और पार्वती का रिश्ता वैसे ही है, जैसे वृक्ष और लता, पृथ्वी और आकाश। मनुष्य जीवन पाकर भी मनुष्य यदि शिवार्चन और शिवाभिषेक से वंचित बना रहता है तो उसका जीवन निरर्थक ही होगा। अमृत कलश हाथ में होते हुए भी हम उसे पी न सकें, तो यह हमारी कमजोरी होगी। हमारी दृष्टि में भगवान शिव की तरह सबके कल्याण का भाव होना चाहिए। शास्त्रों में जो कुछ कहा गया है, वह तर्क और तथ्यपूर्ण प्रमाणों पर आधारित है। हमारे शास्त्र काल्पनिक अथवा कृत्रिम रचना के अंग नहीं है। जीवन को मर्यादित और पुण्यशाली बनाने के लिए शास्त्रों का आश्रय हर युग में लेना चाहिए। भारत भूमि पर रामायण, महाभारत, गीता और उपनिषद जैसे ग्रंथों की कालजयी रचनाएं हुई हैं। प्रत्येक ग्रंथ मानवमात्र के लिए बिना किसी भेदभाव के मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। शिवपुराण भी ऐसा ही अदभुत ग्रंथ है, जो हर परिस्थिति में मनुष्य को सही राह दिखाता है।

संयोजक दीपक चाचर एवं सोनू अण्णा ने शंकराचार्यजी के सानिध्य में रविवार को शिव पुराण कथा दोपहर 1.30 से 4 बजे तक होगी। उसके पूर्व सुबह 9 बजे से परशुराम मंदिर की साक्षी में यज्ञ-हवन एवं अन्य अनुष्ठान होंगे।

### इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, शाजापुर की 55 लाख आबादी को मिलेगा लाभ

# ओंकारेश्वर को भी मेट्रोपॉलिटन रीजन में शामिल करने का सुझाव

संवाददाता ● इंदौर

मेट्रोपॉलिटन रीजन को लेकर कलेक्टोरेट में शनिवार को बड़ी बैठक आयोजित की गई। इसमें इंदौर, देवास, उज्जैन, धार और शाजापुर के जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल हुए। बैठक में मेट्रोपॉलिटन रीजन अथॉरिटी बनाने के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्णय की सराहना की गई। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इससे इस क्षेत्र में समन्वित, सुनियोजित और समेकित विकास में मदद मिलेगी। हर क्षेत्र में विकास होगा।

**बैठक**

बैठक में बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार क्षेत्रीय विकास और निवेश योजना तैयार की जा रही है। यह योजना इंदौर, उज्जैन मेट्रोपॉलिटन रीजन के रूप में रहेगी। सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि यह निर्णय मुख्यमंत्री का महत्वपूर्ण निर्णय है। इससे जल्द ही अमली रूप दिया जाना चाहिए। मेट्रोपॉलिटन रीजन प्लान बनाते समय सभी वैधानिक औपचारिकताओं का पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मेट्रोपॉलिटन एरिया में ओंकारेश्वर को भी शामिल किया जाना चाहिए। इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन में इंदौर का 100 फीसदी, उज्जैन का 44.99%, देवास का 29.72%, धार का 7.04% और शाजापुर का 0.54% भू-भाग आएगा। इससे लगभग 55 लाख से अधिक की आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। इसमें धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मेट्रोपॉलिटन एरिया में ओंकारेश्वर को भी शामिल किए जाने पर भी विचार चल रहा है। इस रीजन प्लान से होलिस्टिक डेवलपमेंट संभव होगा।

## अगले हफ्ते तक मांगे सुझाव

मेट्रोपॉलिटन रीजन के संबंध में सभी जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि इस प्लान के तैयार होने से संबंधित क्षेत्रों में समन्वित और सुनियोजित विकास होगा। एकीकृत विकास की अवधारणा के अनुरुप काम होंगे। उन्होंने कहा किसतत और स्थाई विकास की परिकल्पना साकार की जाएगी। आर्थिक और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। कुशल परिवहन प्रणाली और नेटवर्क स्थापित होगा। टूरिस्ट सर्किट का विकास होगा और पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा विकास के हर क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आएगा।

## बैठक में ये रहे शामिल

राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक उषा ठाकुर, महेंद्र हार्डिया, मालिनी गौड़, रमेश मेंदोला, मधु वर्मा, देवास विधायक गायत्री राजे, हाटपिपलिया विधायक मनोज चौधरी, बदनावर विधायक भंवर सिंह शेखावत, उज्जैन कमिश्नर संजय गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि और संबंधित जिलों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कमिश्नर दीपक सिंह, उज्जैन के सांसद अनिल फिरोजिया, उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि वर्चुअली रुप से शामिल हुए।

## शॉट न्यूज

### महिला बाल कल्याण समाजसेवा राज्य स्तरीय सम्मान

**इंदौर**। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के समाजसेवी महेन्द्र पाठक को श्री विष्णु कुमार महिला बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्हें यह सम्मान बाल विवाह के रोकथाम और महिला एवं बाल कल्याण संबंधी गतिविधियों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पंचायत और ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल, महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, सांसद बी.डी. शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि पाठक 1992 से अब तक बाल विवाह की रोकथाम एवं महिला एवं बाल कल्याण की गतिविधियों में सक्रिय है। उनकी इंदौर एवं अन्य जिलों में 2 हजार से अधिक बाल विवाह की रोकथाम में सक्रिय भूमिका रही है।

### चलित आजीविका फ्रेश से उपलब्ध होंगी रसायन रहित सब्जियां

**इंदौर**। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला पंचायत सभागृह में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व सहायता समूहों कि एक दिवसयीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष, रीना सतीश मालवीय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संजय तिवारी, स्वय सहायता समूह सदस्य , कृषि सखिया आदि उपस्थित थे। कार्यशाला की मुख्य थीम रसायन रहित खेती रही व इससे होने वाले लाभों को सभी समूह सदस्यों तक पहुँचाना व खेती को लाभ का व्यवसाय किस तरह बनाया जाए के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर समूह सदस्यों ने उनके द्वारा कृषि क्षेत्र में किये जा रहे।

### स्कूटी खड़ी करने की बात पर मारपीट

**इंदौर**। कनाडिया इलाके में स्कूटी खड़ी करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया, जो मारपीट में बदल गया। इस मामले में पुलिस ने महिला, उसके बेटे और बेटी के खिलाफ केस दर्ज किया है और जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, प्रगति भगोरे, निवासी मित्रबंधु नगर, ने शिकायत दर्ज कराई कि मनीषा चौधरी अपने बेटे मोहित और बेटी मुस्कान के साथ मिलकर उससे मारपीट की। घटना तब हुई जब प्रगति अपने घर के बाहर थी और मनीषा वहां स्कूटी खड़ी करने आई। प्रगति ने उसे गाड़ी कहीं और लगाने को कहा, जिस पर दोनों में कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर मनीषा ने अपने बेटे को बुला लिया, जिसके बाद झगड़ा हाथापाई में बदल गया। प्रगति का आरोप है कि झगड़े के दौरान आरोपियों ने उसके हाथ पर काट लिया और जब उसके परिवार वाले बीच-बचाव करने आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई।

# कबीरखेड़ी में 1 करोड़ की लागत वाले स्कूल भवन का लोकार्पण

### विद्यार्थियों को मिलेगा बेहतर माहौल

संवाददाता ● इंदौर

वार्ड 33 कबीटखेड़ी स्थित शासकीय उन्नत माध्यमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का भव्य लोकार्पण समारोह हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक रमेश मैंदोला, इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, वार्ड पार्षद मनोज मिश्रा तथा अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर जी ने बताया कि लगभग 1 करोड़ रुपये की लागत से इस आधुनिक तीन मंजिला भवन का निर्माण किया गया है। विद्यालय भवन को विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।

**निर्माण**

प्रत्येक मंजिल पर तीन कक्षाएं एवं एक विशाल हॉल निर्मित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए अधिक सुविधाजनक वातावरण मिल सके। नवनिर्मित भवन के लोकार्पण के अवसर पर विधायक रमेश मैंदोला ने अपने संबोधन में कहा कि यह विद्यालय भवन क्षेत्र के विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के लिए एक नई सौगात साबित होगा। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए लगातार प्रयासरत है और यह विद्यालय भवन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वार्ड पार्षद मनोज मिश्रा ने भी इस महत्वपूर्ण परियोजना की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक अहम कदम बताया। इस अवसर पर समाजसेवी अशोक खंडेलवाल सहित क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक, स्थानीय नागरिक, शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने विद्यालय भवन के निर्माण के लिए नगर निगम और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

# कामकाजी महिलाएं बोलीं- काश! हर रविवार को ऐसा ही हो जाए

**इंदौर**। शनिवार सुबह कामकाजी महिलाए बसों में बैठी और टिकट के लिए रुपये देकर हाथ बढ़ाया तो बताया गया कि आज उन्हें सफर के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा। यह सुनकर महिलाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। कुछ बोलीं- भूल गए थे आज महिला दिवस है। एआईसीटीएसएल की प्रवक्ता माला ठाकुर के अनुसार, शहर में कुल 400 से अधिक सिटी बसें, आई-बसें और इलेक्ट्रिक बसें संचालित हो रही हैं। सामान्य दिनों में इन बसों में दो से ढाई लाख यात्री सफर करते हैं, जिनमें आधे से अधिक महिलाएं होती हैं। इस हिसाब से शनिवार को एक लाख से ज्यादा महिलाओं के इस सुविधा का लाभ उठाने की उम्मीद है। जानकारी हो की रक्षा बंधन के अवसर पर भी सुविधा मिली थी। महिला यात्रियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह न सिर्फ आर्थिक रूप से राहत देने वाला कदम है, बल्कि महिलाओं को सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करने के लिए भी प्रेरित करेगा। कहा- काश! हर रविवार ऐसी सौगात मिले। नगर निगम और एआईसीटीएसएल प्रशासन का कहना है कि भविष्य में भी ऐसी योजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।

### महानिरीक्षक पंजीयन ने पंजीयन कार्यालयों का किया निरीक्षण

# आम नागरिकों, सेवा प्रदाताओं और वकीलों से लिए फीडबेक और सुझाव

संवाददाता ● इंदौर

महानिरीक्षक पंजीयन अमित तोमर ने शनिवार को रजिस्ट्रार कार्यालयों का निरीक्षण किया । इस दौरान यू.एस. बाजपेई परिक्षेत्रीय उप महानिरीक्षक पंजीयन उपस्थित थे। तोमर ने मोतीतबेला, कलेक्ट्रेट

**निरीक्षण**

स्थित पंजीयन कार्यालय, इन्दौर-1 तथा ढक्कनवाला कुआं स्थित पंजीयन कार्यालय, इन्दौर-2 का निरीक्षण किया। इस दौरान रिकार्डरूम, पुराने रिकार्ड के डिजिटलाईजेशन की व्यवस्था और जिला पंजीयक कार्यालयों में केस निराकरण का निरीक्षण किया गया।

तोमर द्वारा रजिस्ट्रार कार्यालयों में मार्च महीने में आम नागरिकों को दी जा रही सुविधाओं के विषय में जानकारी ली और उनका निरीक्षण किया। उन्होंने बैठने की पर्याप्त व्यवस्था करने, पार्किंग सुविधा को बढ़ाने के निर्देश दिए गए। पीने के स्वच्छ पानी, टॉयलेट और गर्मी से बचाव की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने अधिवक्तागणों, आम पक्षकारों और सेवा प्रदाताओं से रजिस्ट्रार कार्यालयों में सम्पदा 1.0 एवं सम्पदा 2.0 के संबंध में फीडबेक लिया। इस दौरान मोतीतबेला कार्यालय में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं और सेवा प्रदाताओं ने महानिरीक्षक पंजीयन से चर्चा की। तोमर द्वारा सुझावों और फीडबेक को गंभीरतापूर्वक सुना और निराकरण का आश्वासन दिया। अधिवक्ताओं और सेवा प्रदाताओं द्वारा सम्पदा 1.0 में स्लॉट बढ़ाये जाने और सम्पदा 2.0 में जियो टेगिंग की समस्या का समाधान करने के लिए तोमर को धन्यवाद दिया। श्री तोमर द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर तत्पर्तापूर्वक दस्तावेजों का पंजीयन कार्य किया जाए, ताकि आम नागरिकों को कठिनाई न हो। स्थानीय समस्याओं को गंभीरतापूर्वक लिया जाकर उनका समाधान किया जाये।

### जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक

# 25 हजार से अधिक परिवारों को उपलब्ध कराई आवास सुविधा

संवाददाता ● इंदौर

जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिले में 25 हजार से अधिक परिवारों को आवास सुविधा मुहैया कराई गई है। इसमें से इंदौर शहरी क्षेत्र में लगभग 13 हजार और ग्रामीण क्षेत्रों में 12 हजार 188 परिवारों को आवास सुविधा का लाभ दिया गया है। आवासहीनों को योजना के तहत आवास सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर जारी है।

**सुविधा**

यह जानकारी कलेक्टर कार्यालय में सांसद शंकर लालवानी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक में दी गई। बैठक में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद कविता पाटीदार, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, विधायक रमेश मेंदोला तथा मालिनी गौड़, कलेक्टर आशीष सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में सांसद लालवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने की जरूरत है, जिससे की इस योजना का लाभ ले सकें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे आवासहीनों के सर्वे के संबंध में भी लोगों को जागरूक किया जाये, जिससे की अपना पंजीयन कराकर योजना का लाभ ले सकें। लालवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित आवासीय संकुलों तक लोक परिवहन के साधन उपलब्ध कराये जाये। बैठक में प्रधानमंत्री शहरी एवं ग्रामीण आवास योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले में 25 हजार से अधिक आवासहीन परिवारों को आवास सुविधा मुहैया कराई गई है। जिले में निरंतर लक्ष्य प्राप्त हो रहे है। इसके अनुसार आवास बनाने का कार्य लगातार जारी है। बैठक में नेहरू स्टेडियम के प्रस्तावित प्लान के संबंध में भी चर्चा की गई। निर्देश दिये गये कि खेल संगठनों और जनप्रतिनिधियों से चर्चा के उपरांत इसे अंतिम रूप दिया जाये।

### छात्राओं की शिक्षा का समर्थन करने के लिए कुल 5 लाख 10 हजार रुपए वितरित किए गए

# मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने गर्ल्स कॉलेज की 53 छात्राओं को दी छात्रवृत्ति

संवाददाता ● इंदौर

मालाबार ग्रुप, एक प्रमुख भारतीय व्यापार समूह और मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की मूल कंपनी, ने माता जीजाबाई पीजी गर्ल्स कॉलेज, मोती तबेला की 53 योग्य छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करके शिक्षा के माध्यम से युवा महिलाओं को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इन छात्राओं की शिक्षा का समर्थन करने के लिए कुल 5 लाख 10 हजार रुपए वितरित किए गए, जिससे वे वित्तीय बाधाओं के बिना अपनी शैक्षणिक आकांक्षाओं को पूरा कर सकें।

**समर्थन**

छात्रवृत्ति वितरण समारोह में जीजाबाई कॉलेज के अध्यक्ष अवधेश सिंह यादव, रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष सुधीर सक्सेना, अतिरिक्त संचालक श्रीमती किरण, प्रोफेसर बेला सचदेवा और मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के प्रतिनिधि नौशाद अली, भोपाल-जबलपुर के स्टोर हेड और भानु जोशी, स्टोर मैनेजर सहित कई अतिथि शामिल हुए। उनकी उपस्थिति ने सशक्तिकरण के साधन के रूप में शिक्षा को बढ़ावा देने में सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया।

पहल के बारे में बोलते हुए, मालाबार समूह के अध्यक्ष एमपी अहमद ने कहा कि शिक्षा प्रगति की नींव है, और ज्ञान के साथ युवा महिलाओं को सशक्त बनाना सकारात्मक बदलाव लाने के सबसे प्रभावशाली तरीकों में से एक है। ये छात्रवृत्तियाँ केवल वित्तीय सहायता नहीं हैं, ये हमारे समाज के भविष्य में निवेश हैं। यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी प्रतिभाशाली छात्रा आर्थिक कठिनाइयों के कारण पीछे न रहे। 1999 में अपनी स्थापना के बाद से, मालाबार चैरिटेबल ट्रस्ट कई सामाजिक कल्याण पहलों में सबसे आगे रहा है। मालाबार समूह अपने वार्षिक लाभ का 5% CSR गतिविधियों को समर्पित करता है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरणीय स्थिरता और गरीबी उन्मूलन पर केंद्रित है।

इंदौर में यह छात्रवृत्ति वितरण मालाबार समूह के भारत भर में शिक्षा और कौशल विकास का समर्थन करने के व्यापक मिशन का हिस्सा है। बता दें कि मालाबार समूह, जिसका मुख्यालय कालीकट, केरल, भारत में है और जिसके 13 देशों में 15 व्यावसायिक कार्यक्षेत्र हैं, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला व्यावसायिक समूह है, जिसका वार्षिक कारोबार 6.2 बिलियन अमरीकी डॉलर है और दुनिया भर में 21,000 से अधिक प्रबंधन टीम के सदस्य हैं। ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) इसकी स्थापना के बाद से समूह की प्राथमिक प्रतिबद्धता रही है, जिसमें स्वास्थ्य, आवास, भूख मुक्त दुनिया, शिक्षा, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण पर मुख्य ध्यान केंद्रित किया गया है।

# एकल परिवारों में मेंटल लोड के अधिकांश काम महिलाएं ही करती हैं

महीने का दूसरा शनिवार होने के बावजूद उसके दफ्तर में अर्जेंट काम था, क्योंकि ये वित्त वर्ष खत्म होने का समय भी था। वह सुबह 5 बजे उठी, शानदार खाना बनाया, दोनों बच्चों के लिए लंच पैक किया, ताकि फुटबॉल क्लास के लिए जाते समय वे लंच साथ ले जा सकें और वह चली गई, जबकि पति उसके जाने के समय उठा। वह उससे बात नहीं कर सकी क्योंकि उसे देर हो रही थी। टैक्सी पहले ही आ चुकी थी और इसलिए वो चली गई। टैक्सी में बैठे-बैठे वह अपने पति को वाट्सएप पर मैसेज करती है कि आपकी कार की नंबर प्लेट अभी भी टूटी हुई है, पुलिस के फाइन से पहले इसे ठीक करवा लो। वॉशिंग मशीन अगले दस मिनट में कपड़े धो देगी, मेड से कह दो कि कपड़े रस्सी पर डाल दे। लॉन्ड्री के लिए बाकी कपड़े पैक करके सीढ़ियों पर रखे हैं। बाहर जाते हुए इन्हें साथ में ले जाना मत भूलना। रोहन का हेयरकट कराना है। अपने हेयरड्रेसर के पास उसे मत ले जाना। उसे वो पसंद नहीं।

तीसरी लेन वाले हेयरड्रेसर के पास ले जाना और उसे अपने हिसाब से बाल कटवा लेने देना। इस पर कोई बवाल मत करना। बच्चों को फुटबॉल खेलने के लिए छोड़ते समय उनके लंच बॉक्स लेना मत भूलना। मैंने उनके लिए सरप्राइज रखा है। बाथरूम में कपड़े का हैंगर ठीक कर देना, कील निकल गई है। कुत्ते को टहलाने वाले को पैसे देने होंगे। तुम पिछले हफ्ते पैसे देना भूल गए थे। मैसेज भेजने के बाद दस मिनट तक वह ऑफिस के फोन-कॉल पर रही और तभी उसके पति का दुखी इमोजी के साथ ह्यओकेह्न लिखा जवाब आया। उसने उसे एक रिमाइंडर भेजा, ह्नआज ही सब कुछ निपटा लो, नहीं तो कल भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले क्रिकेट फाइनल देखते समय तुम्हें परेशानी होगी। उसका कोई जवाब नहीं आया, लेकिन वह जानती थी कि उसने मैसेज पढ़ लिया है, क्योंकि इस पर नीला निशान था। उसने मन ही मन में यह नोट कर लिया कि अगले हफ्ते वो

**मैंने उनके लिए सरप्राइज रखा है। बाथरूम में कपड़े का हैंगर ठीक कर देना, कील निकल गई है। कुत्ते को टहलाने वाले को पैसे देने होंगे। तुम पिछले हफ्ते पैसे देना भूल गए थे। मैसेज भेजने के बाद दस मिनट तक वह ऑफिस के फोन-कॉल पर रही और तभी उसके पति का दुखी इमोजी के साथ ह्यओकेह्न लिखा जवाब आया।**

उसे सीसीटीवी कैमरा ठीक करने और घर की रंगाई-पुताई करवाने के लिए कहेगी, जिसके बारे में वे बात कर रहे थे। ऐतिहासिक रूप से एकल परिवारों में महिलाओं ने मानसिक बोझ का सारा भार उठाया हुआ है, जिसे कॉग्निटिव हाउसहोल्ड लेबर भी कहा जाता है। यह पर्दे के पीछे का काम है, जो अक्सर दिखता नहीं हैं, लेकिन इन्हीं कामों से घर चलता है।

बात सिर्फ काम की नहीं है या इसकी भी नहीं कि कौन करेगा, बात इस काम के बारे में सोचने की है और हर समय इसको लेकर सतर्क रहने की है। ये काम कितना जरूरी है, इसे परिभाषित करना मुश्किल है और यह अदृश्य लेकिन अंतर्निहित काम का पहाड़ होता है। वहीं परिवार की अपेक्षाओं और परंपराओं के चलते माना जाता है कि महिलाओं को ही घर के कामकाज संभालने चाहिए। बात सिर्फ काम करने की नहीं है, काम को भांपना, याद रखना, अहसास होना और आखिर में उसे करना या किसी को सौंपना होता है।

सिर्फ इतना भर नहीं है कि बच्चों और पति के लिए लंच पैक कर दिया, बाजार से सब्जियां-अनाज लाना, उसे पकाना होता है, यह भी देखना होता है कि लंच बॉक्स धुले हैं या नहीं, मेड ने सुखाए हैं या नहीं और यह भी देखना होता है कि हर खाना पोषण भरा हो और तीनों सदस्यों की अलग-अलग चॉइस के हिसाब से हो। यह काम अक्सर अवैतनिक होता है और इसकी कोई सराहना भी नहीं मिलती। कई लोगों को लगेगा कि आजकल के दंपति घरेलू जिम्मेदारियों को आधा-आधा बांटने की कोशिश करते हैं, और इस तरह मानसिक बोझ समान रूप से बंट जाता है।हालांकि रिसर्च कुछ और ही बयां करती है। पिछले वर्ष प्रकाशित एक अमेरिकी अध्ययन के अनुसार मानसिक बोझ वाले 10 कामों में से सात मांओं द्वारा किए जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया में हुए अन्य अध्ययनों से पता चलता है कि परिवार में वृद्धों और विकलांगों की जरूरतों का ख्याल ज्यादातर महिलाएं ही रखती हैं। फंडा यह है कि किसी भी काम को करना नहीं बल्कि उसे याद रखना महत्वपूर्ण है।

## संत वचन

*जल्द ही वसंत पंचमी आने वाली है। यह त्योहार अपने पीले कपड़ों, खान-पान के लिए भी जाना जाता है। लोग अपने-अपने घरों में सरस्वती मां की पूजा करते हैं। सनातन धर्म में वसंच पंचमी का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि वसंत पंचमी के दिन सरस्वती मां की पूजा करने से ज्ञान और विद्या का आशीर्वाद मिलता है। ऐसे में अगर आपके घर में नन्ही परी का जन्म हुआ है और उसके नाम को लेकर कंफ्यूज है तो हम आपके लिए लेकर आए हैं ऐसे नाम, जो मां सरस्वती के नाम पर आधारित हैं। आइए जानते हैं कि इन नामों का क्या मतलब है।घर में जब लड़की का जन्म होता है तो घर वाले सबसे पहले उसके नाम को लेकर काफी परेशान रहते हैं।*

*हर माता-पिता चाहते हैं कि वह अपने बच्चे का नाम ऐसा रखें, जो काफी अलग हो और आगे चलकर बच्चा अपने नाम को सार्थक करे।*

# छोटी आदतों से दूर करो स्ट्रैस और एंजाइटी

क्या कभी जब आप स्ट्रैस और एंजाइटी में होते हैं, तो ध्यान देने की कोशिश की है कि ये आ कहां से रहे हैं। इनका मूल स्त्रोत क्या है। कभी अगर ध्यान देने की कोशिश करें, तो आपको जानने में देर नहीं लगेगी कि ये दोनों आपके अपने कर्म और अपने सोचने के ढंग से जन्म ले रहे हैं। इससे पहले कि हम इनके जन्म लेने की वजहों को गहराई से समझने की कोशिश करें, यह जान लें कि दुनिया में ऐसे लोगों की कमी नहीं जो जरा भी स्ट्रेस नहीं लेते, जो जरा भी एंजाइटी से नहीं गुजरते। आज सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि ज्यादातर लोग तनाव को जीवन का एक सहज हिस्सा मानने लगे हैं। उन्हें लगता है जीवन में थोड़ा तनाव तो होता ही है। वे यह नहीं देखते कि जीवन में जितना भी तनाव है वह उन्हीं का पैदा किया हुआ है। अगर वे पैदा न करें, तो तनाव कभी हो ही न।

**एडिट.नोट**

स्ट्रैस की सबसे बड़ी वजह यही है हम अपनी आदतों का गुलाम बनकर जीते हैं और आदतें बदलने का दर्द लेने की कोशिश भी नहीं करते। अगर सुबह जल्दी उठने की आदत नहीं है, तो लेट उठने की वजह से सुबह अपने लिए समय कम मिलता है। कम समय में ज्यादा काम करने पड़ते हैं। तो जाहिर है कि उठते ही सोच में तनाव शुरू हो जाते हैं। सुबह जल्दी नहीं उठे, तो योग, व्यायाम, प्राणायाम केबिना ही सुबह जाएगी। इनके बिना बाहरी और भीतरी, दोनों शरीर अस्वस्थ रहेंगे। यानी व्यायाम, प्राणायाम न कर पाने के तनाव में अस्वस्थ होने का तनाव भी अलग जुड़ जाएगा। अब अस्वस्थ हुए तो दवा-दारू के खर्च का तनाव, डॉक्टर के पास जाने, लाइन में लगने का तनाव, तनाव जमा होने शुरू हो जाते हैं। अस्वस्थ रहने से मिजाज खराब रहेगा। सोच में नकारात्मकता आएगी। कमजोर शरीर और कमजोर मन में ऊर्जा नहीं रहेगी तो गुस्सा ज्यादा आएगा। इन सबसे चलते रिश्ते खराब होंगे। यानी खराब रिश्तों का तनाव भी जीवन में शामिल हो जाएगा।अभी तो हमने दिन शुरू ही किया है और इतने में ही इतने सारे तनाव जिंदगी में घुस आए, अभी तो गंदी आदतों का पिटारा खोला जाना बाकी है। सोचिए ऐसे भी लोग हैं जो न तो सुबह जल्दी उठते हैं, न योग, व्यायाम करते हैं और इस पर नशा अलग करते हैं। गुटका-तंबाकू खाते हैं, शराब पीते हैं, तामसिक भोजन करते हैं। आपको ऐसा लगता है कि ये तनाव कम कर रहे हैं, पर लंबी दौड़ में आप पाते हैं कि सारे तनाव इन्हीं से पैदा होते हैं। फिर इनके साथ और भी दूसरी कई आदते हैं- आलस्य करना, काम को कल पर टालना, फोकस से काम न करना, गप्पें मारना, दूसरों की बुराई करना, रिश्तों में बेईमानी करना। यानी आप खुद ही इसकी व्यवस्था करते हैं कि आपकी जिंदगी में हर दिशा से आप पर तनाव टूटकर बरसे। जाहिर है ऐसी आदतों के साथ आप जीवन में प्रगति नहीं करते। आपकी सैलरी ज्यादा नहीं बढ़ती, आपका बिजनेस ज्यादा फलता-फूलता नहीं। पैसे की कमी से परिवार में अलग क्लेश चलते रहते।लेकिन ऐसा नहीं कि यह स्थिति बदल नहीं सकती। आपको कुछ बेसिक बदलाव करने हैं और जिस तरह एक खराब बात से दूसरी खराब बात जुड़कर आपकी जिंदगी में आ घुसी, उसी तरह एक अच्छी आदत से दूसरी अच्छी आदत जुड़कर आपकी जिंदगी में आ सकती है और एक बार ऐसा होना शुरू हुआ तो आप बहुत कम समय में बहुत तेजी से अपने जीवन को रूपांतरित कर सकते हो। इसकी शुरूआत रात को समय पर सोने की आदत से करें। यह जान लें कि नींद से बढ़कर कोई डॉक्टर नहीं। रात को समय पर सोएंगे, तो नींद पूरी मिलेगी और सुबह समय पर उठेंगे।

**एन. रघुरामन, - लेखक**

# उत्तर बनाम दक्षिण का मसला फिर से तूल पकड़ने लगा है

हालांकि संघवाद का मसला पिछले कुछ वर्षों से बहस के केंद्र में था, लेकिन यह अंदाजा किसी को नहीं था कि यह अचानक दक्षिण बनाम उत्तर, विकास बनाम पिछड़ापन, आबादी-नियंत्रण बनाम आबादी के विस्तार और हिंदी बनाम तमिल के रूप में निकलकर आ जाएगा। अभी केवल तमिलनाडु के सीएम स्टालिन और कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया ने ही इसे उठाया है। लगता है जल्द ही तेलंगाना और केरल से भी ऐसी ही आवाजें आने लगेंगी। आंध्र में सरकारी पार्टी केंद्र में सत्तारूढ़ गठजोड़ की सदस्य है, इसलिए सीएम इसे उठाने से हिचकेंगे, पर विपक्ष में खड़ी वाईएसआर कांग्रेस इस पर तत्परता से जोर देगी। ऐसे ही मसलों के कारण साठ के दशक में तमिलनाडु के नेता (खासतौर से करुणानिधि) अपनी राष्ट्रीयता भारतीय न बताकर द्रविड़ बताने लगे थे। इस मसले को द्रविड़ बनाम आर्य के रूप में परिभाषित किए जाने का खतरा भी है। ऐसा होने पर कुछ महाराष्ट्रीयन भी समर्थन में आ सकते हैं। उन्हें बस महात्मा फुले की उस विरासत को जगाने की जरूरत है, जिसके केंद्र में आर्य आक्रमण की थीसिस है। सच्चाई तो यह है कि इस बार इस विवाद में साठ के दशक से भी ज्यादा तीखापन आने का डर है। इसके दो कारण हैं।

पहला, दक्षिण भारतीय राज्यों को लग रहा है कि उनके ऊपर परिसीमन की तलवार लटक रही है। अगर आबादी को आधार बनाकर संसद की सीटों का नया परिसीमन किया गया तो एक अनुमान के अनुसार लगभग 900 सदस्यों वाली लोकसभा में 80 फीसदी से ज्यादा सीटें बिहार, यूपी, बंगाल, एमपी और राजस्थान के हिस्से में आएंगी और बाकी 20 फीसदी सीटों में दक्षिण भारत सिमट जाएगा। दक्षिण को आबादी-नियंत्रण और आर्थिक विकास की सजा मिलेगी यानी उसकी सीटों में बहुत कम वृद्धि होगी, और उत्तर को आबादी बढ़ने देने और विकास की होड़ में पिछड़ने का राजनीतिक इनाम हासिल होगा यानी उसकी सीटों में बहुत अधिक बढ़ोतरी हो जाएगी। दूसरा, केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को दी जाने वाली समग्र शिक्षा स्कीम से संबंधित फंडिंग (2,152 करोड़ रुपए) रोक दी है। कारण यह बताया गया है कि इस प्रदेश ने 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने से इंकार कर दिया है। यह बड़ी रकम शिक्षा-अधिकार अधिनियम के प्रावधान के तहत केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के लिए दी जानी थी।

स्टालिन को एनईपी पर मुख्य आपत्ति त्रिभाषा सूत्र को लेकर है। यह नीति 50 के दशक में राधाकृष्णन आयोग ने तैयार की थी, और इंदिरा सरकार ने 1968 में इसे पहली बार लागू किया था। मोटे तौर पर इसका मतलब यह है कि गैर-हिंदी प्रदेशों में माध्यमिक स्तर से ही छात्रों को हिंदी और अंग्रेजी के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषा पढ़ाई जानी चाहिए। और हिंदी प्रदेशों में अंग्रेजी और हिंदी के साथ एक अन्य आधुनिक भारतीय भाषा (जहां तक हो सके दक्षिण की कोई भाषा) की शिक्षा दी जानी चाहिए। तमिलनाडु त्रिभाषा सूत्र को लागू नहीं करता। वह केवल दो भाषाएं (तमिल और अंग्रेजी) ही पढ़ाता है, हालांकि निजी स्कूल और केंद्रीय विद्यालय चाहें तो हिंदी पढ़ा सकते हैं। वह मानने के लिए तैयार ही नहीं है कि एनईपी लागू करना संवैधानिक दायित्व है। वह कहता है कि यह तो मौजूदा सरकार की नीति है, और केंद्र में सरकार बदलने पर यह बदली भी जा सकती है। तमिल नेताओं (जिनमें पी. चिदम्बरम भी शामिल हैं) की दलील है कि उत्तर में त्रिभाषा सूत्र का व्यावहारिक मतलब हिंदी, अंग्रेजी और तीसरी भाषा के रूप में संस्कृत पढ़ाना है। दक्षिण भारतीय भाषाएं वहां कोई नहीं पढ़ता। लेकिन दक्षिण पर हिंदी थोपी जाती है।

केंद्र दो तरीके से इसका समाधान कर सकता है। पहला, उसे तुरत-फुरत वह गणितीय फॉर्मूला तैयार करके पेश करना चाहिए, जो यह गारंटी करता हो कि आबादी के आधार पर परिसीमन में उन राज्यों को अपवाद बनाया जाएगा, जिन्होंने आबादी को नियंत्रित किया है। दक्षिण के राज्यों की इस फॉर्मूले पर सहमति भी जरूरी है। जहां तक भाषा का सवाल है, सरकार को अपनी ही पहले की शिक्षा मंत्री के वक्तव्य का सम्मान करना चाहिए। स्मृति ईरानी ने मानव संसाधन मंत्री के रूप में कहा था कि हर प्रदेश अपने पाठ्यक्रमों और विषयों के बारे में स्वयं अंतिम फैसला कर सकता है। कांग्रेस के शिक्षा मंत्री अर्जुन सिंह का भी यही कहना था।

## बिजनेस. न्यूज

# गुड़-शकर सुस्त, लौंग मजबूत

**व्यापार प्रतिनिधि ● इंदौर**

ग्राहकी कमजोर होने तथा रिसेलरों की बिकवाली आने से शकर के भाव 10-20 रुपए घटाकर बोले जा रहे हैं। तेजी वाले भाव पर खोपरा गोला व बूरा में ग्राहकी सामान्. है। होली जैसा त्यौहार सामने होने से बाजार की धारणा प्रभावित हो रही है। आने वाले एक-दो दिनों में हाजिर में गोला बुरादा में मंदी का डर नहीं है। बढ़ी हुई कीमत पर भी लौंग की बिक्री सुस्त है। हाल ही में इसमें 10 रुपए का सुधार हुआ था। अमेरिकी डॉलर की तुलना में रुपया कमजोर ही बना होने से बाजार की धारणा प्रभावित हो रही है। आगे भी लौंग में मजबूती बनी रह सकती है। शकर ्4220-4230 बेस्ट क्वालिटी 4225-4250, गुड़ भेली 3500-3600, कटोरा 3700-3800, लड्डू 4100-4200, बर्फी 5500, गिलास 4600-5000 रुपए क्विंटल।

नारियलः 120 भरती 2450-2500, 160 भरती 2850-2900, 200 भरती 3150-3200, 250 भरती 3250-3300 रुपए प्रति बोरी। खोपरा गोला बाक्स में 160-200, कट्टे में 155-160 रुपए प्रति किलो बोला गया। खोपरा बूरा 3800-5800 रुपए प्रति (15 किलो)।

पूजन सामग्रीः देशी कपूर 700 से 710, पूजा बादाम 115 से 125, बेस्ट 220 से 230, पूजा सुपारी 425 से 450, अरीठा 180 रुपये। केसर 155 से 191, रुपए प्रति ग्राम, सिंदूर (25 किलो) 7450 रुपए। साबूदाना-सच्चामोती एगमार्क (500) 5940, एगमार्क (500 ग्राम) 6070 साबूदाना चक्र एगमार्क 5950, गोपाल लूज (25 किलो) 5400, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम)- 9300 रुपये। रायलरतन साबूदाना (1 किलो) 5850, व लूज 5350, मोरधन 10500 सच्चामोती (रजिस्ट्र) (1 किलो) 5700 व (500 ग्राम) 5760, लूज 5200 पोहा एक किलो 5800 व 35 किलो पैकिंग में 4800 व मोरधन 9500 रुपये।

मसाले-कालीमिर्च 675 से 680, मिनिमटर 695 से 725, मटरदाना 750 से 775, हल्दी निजामाबाद 170 से 210, हल्दी सांगली 260 से 265, जीरा 245 से 255, मीडियम 260 से 275, बेस्ट 290 से 300, सौंफ मोटी 100 से 125, बेस्ट 240 से 285, एक्स्ट्रा बेस्ट 310 से 350, बारीक 280 से 325, लौंग चालू 765 से 775, बेस्ट 800 से 810, दालचीनी 250 से 255, बेस्ट 265, जायफल 750 से 775, बेस्ट 800 से 820, जावत्री 1675 से 1775, बेस्ट 1875 से 1900, बड़ी इलायची 1850 से 1950, बेस्ट 2050 से 2250, पत्थरफूल 350 से 425, बेस्ट 470 से 475, बाद्यान फूल 415 से 440, बेस्ट 525, शाहजीरा खर 375 से 390, ग्रीन 875 से 885, तेजपान 480 से 500, नागकेसर 925, सौंठ 270 से 325, धोली मूसली 2175 से 2200, हींग 751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875 से 925, हरी इलायची 2950 से 3050, मीडियम 3175 से 3350, बेस्ट 3450 से 3500, एक्स्ट्रा बेस्ट 3550 रुपए।

सूखा मेवा-काजू डब्ल्यू 240 नंबर 950, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 825 से 860, काजू एस डब्ल्यू 300- 800 से 815, काजू जेएच 850 से 870, टुकड़ी 800 से 840, बादाम इंडिपेंडेंट 700 से 720, बेस्ट 760 से 770 अमेरिकन 770-780, मोटा दाना 850 से 900, तरबूज मगज 490 से 520, खसखस चालू 850 से 1050, बेस्ट 1100 से 1150, दिल्ली टर्की खसखस 1200 से 1225 खारक 85 से 95, मीडियम 115 से 165, बेस्ट 185 से 275, किशमिश कंधारी 320 से 350, बेस्ट 450 से 550, इंडियन 205 से 210, बेस्ट 220 से 230, चारोली 1900 से 1950, मुनक्का 350 से 550, बेस्ट 850 से 925, अंजीर 850 से 975, बेस्ट 1175 से 1575, मखाना 1175 से 1170 बेस्ट 1650 से 1675, पिस्ता ईरानी 1400-1450 मीडियम 1450-1500 बेस्ट 1525-1550, कंधारी मोटा 2150-2250 पिस्ता पिशोरी 2475-2600 नमकीन पिस्ता 850 से 900, अखरोट 475 से 550, बेस्ट 600 से 625, अखरोट गिरी 675 से 875 बेस्ट 1050 से 1250 जदार्लू 350 से 450, बेस्ट 550 केसर 165 से 175 बेस्ट 190 से 193 रुपए।

**राज-काज**

## सोना-चांदी में मुनाफावसूली जारी...

इंदौर। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बिटकॉइन रिजर्व बनाने के आर्डर पर साइन किए, लेकिन उस ऑर्डर में स्पष्ट किया कि बिटकॉइन अभी खरीदें नहीं जाएंगे। अभी जो बिटकॉइन उनके पास पड़े है, उनसे ही रिजर्व बनेगा। इसे नीति परिवर्तन की तरह देखा जा रहा है, जिस तरह से देश सोने और डॉलर के रिजर्व रखते हैं उसी तरह से अब अमेरिका ने एक नई नीति की शुरूआत की है, जिसमें वह क्रिप्टोकरंसी को रिजर्व में रखेंगे। इसी के साथ कनाडा और मेक्सिको पर कुछ टैरिफ एक माह के लिए टाल दिया गया है। उधर भारतीय बाजारों में सोना और चांदी में अब मुनाफावसूली देखी जा रही है। व्यवसायी नीलेश सारड़ा के अनुसार अगले हफ्ते भी मुनाफा वसूली जारी रहेगी और होलाष्टक होने से भारतीय बाजारों में ग्राहकी कमजोर है और अब रंगपंचमी के बाद ही ग्राहकी निकलने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2920$ ऊपर में 2922, नीचे में 2896 डॉलर प्रति औंस व चांदी 3246, ऊपर में 3268 नीचे में।

# लोन चुका दिया लेकिन बैंक ने गिरवी रखी संपत्ति का कागज नहीं लौटाया

**एजेंसी ● कटक**

देश का सबसे बड़ा बैंक है एसबीआई एसबीआई के कुछ अधिकारियों की लापरवाही बैंक को महंगी पड़ गई है। इस बैंक से कटक के एक व्यक्ति ने कर्ज लिया था। उन्होंने 14 साल पहले ही वन टाइम सेटलमेंट योजना (डरर) के तहत अपना कर्ज वापस कर दिया। लेकिन बैंक के पास गिरवी रखी गई संपत्ति के मूल दस्तावेज उन्हें वापस नहीं मिले। पीड़ित ने उड़ीसा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अब कोर्ट ने पीड़ित व्यक्ति को एक लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया है।न्यू इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक कटक के निवासी 70 वर्षीय सुजीत कुमार घोष ने साल 1986 में एसबीआई के कटक ब्रांच से 72,000 रुपये का कर्ज लिया था। वह उस लोन का ईएमआई समय पर चुकाने में विफल रहे। इस वजह से उनका अकाउंट एनपीए हो गया। इसके बाद बैंक ने स्थानीय अदालत में घोष के खिलाफ लोन रिकवरी का केस शुरू किया।याची के खिलाफ लोअर कोर्ट में मुकद्मा चल ही रहा था कि उन्होंने बैंक की वन टाइम सेटलमेंट स्कीम का लाभ उठाया। घोष ने 26 जुलाई 2010 को अपने लोन अकाउंट का कुल बकाया 1,06,337 रुपये का भुगतान कर दिया। इसके बाद बैंक ने 24 दिसंबर 2010 को 'नो ड्यूज सर्टिफिकेट' जारी कर दिया। इसके बाद उन्होंने गिरवी रखी गई सपंत्ति के मूल कागजात मांगे। इस पर बैंक ने कहा कि वे गिरवी रखे गए दस्तावेज वापस नहीं कर सकते क्योंकि खाते को एनपीए के रूप में वगीर्कृत किया गया था और इसके संबंध में कार्यवाही सिविल जज (सीनियर डिवीजन), प्रथम न्यायालय, कटक के समक्ष लंबित थी। इसके बाद वह बार बार बैंक को चिट्ठी भी लिखी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला।इसके बाद घोष ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। न्यायमूर्ति एसके पाणिग्रही की एकल पीठ ने पिछले दिनों इस मामले पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा 'एक बार ऋण का समाधान हो जाने के बाद, बैंक के पास लंबित मुकदमे की परवाह किए बिना, टाइटल डीड (बंधक दस्तावेज) की वापसी को रोकने का कोई कानूनी कारण नहीं था। इसलिए, दस्तावेज वापस करने से इनकार करना अनुचित है।'न्यायमूर्ति पाणिग्रही ने स्पष्ट किया, ह्यायाचिकाकर्ता की बढ़ती उम्र और बिना किसी गलती के भी दस्तावेज प्राप्त करने में उसे हो रही कठिनाइयों को देखते हुए, यह अदालत बैंक को निर्देश देती है कि वह इस फैसले की प्रति प्रस्तुत किए जाने की तिथि से 30 दिनों के भीतर उसे मुआवजे के रूप में 1 लाख रुपए का भुगतान करे।

# सोयाबीन मंदा, सरसों तेल में मजबूत

**व्यापार प्रतिनिधि ● इंदौर**

मंडियों में सोयाबीनके भाव 50 रुपए घटाकर बोले गए, जबकि सरसों तेल में स्थिरता है। निवेशकों की लिवाली बढ? से शिकागो के सक्रिय तिमाही सोया तेल वायदा में 28 सैंट प्रति पौंड तथा केएलसीई के सक्रिय तिमाही पाम तेल वायदा में 59 रिगिट प्रति टन की तेजी आई है। अमेरिका के टैरिफ की वजह से बाजार की धारणा प्रभावित हो सकती है। घटे भाव पर बिकवाली कमजोर होने एवं ग्राहकी निकलने से सरसों तेल के भाव 100 रुपए तक बढ़ाकर बोले जा रहे है। टीन में भाव 2200-2450 रूपए पर मजबूत रहे। कपास्या खली के भाव सीसीआई ने 100 रुपए तक बढ़ाए है। खाद्य तेल- मूंगफली तेल इंदौर 1420-1440, मुंबई मूंगफली तेल 1450 इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 1320-1326 इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1255-1260 इंदौर पाम 1440 मुंबई सोया रिफाइंड 1360, मुंबई पाम तेल 1390, राजकोट तेलिया 2250, गुजरात लूज 1400, कपास्या तेल इंदौर 1290 रुपए प्रति दस किलो। तिलहन-सोयाबीन 4050, सरसों निमाड़ी (बारीक) 5700-5800 रायड़ 5500-5600 रुपए प्रति क्विंटल ।

सोयाबीन प्लांट- बैतूल ऑयल सतना 4225 बैतूल ऑयल 4300 धानुका सोया नीमच 4275, धीरेंद्र सोया नीमच 4280, दिव्य ज्योति 4200 गुजरात अंबुजा, मंदसौर 4150 हरिओम रिफाइनरी अमृत मंदसौर 4275, केएन एग्री इटारसी 4185, आइडिया लक्ष्मी देवास 4175, केपी साल्वेक्स निवाड़ी 4200, खंडवा ऑयल 4200, मित्तल सोया देवास 4215, एमएस साल्वेंक्स नीमच 4260 नीमच प्रोटीन 4275, पतंजलि फूड 4175, प्रकाश पीथमपुर 4280 प्रेस्ट्रीज देवास 4200, रामा फास्फेट, धरमपुरी 4125, राम जानकी एग्रीट्रेड, देवास 4230, आरएच सॉल्वेक्स सिवनी 4225, सांवरिया इटारसी 4250, सोनिका बायोकेम, मंडीदीप 4175 सालासर हरदा 4260 सतना सॉल्वेंट 4151, सूर्या फूड मंदसौर 4275 वर्धमान सॉल्वेंट अंबिका, कालापीपल 4250 विप्पी सोया देवास 4190 रुपए प्रति क्विंटल के भाव रहे।

कपास्या खली- (60 किलो भरती) इंदौर 1875 देवास 1875 उज्जैन 1875 खंडवा 1850, बुरहानपुर 1850, अकोला 2700 रुपए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के हरसिल में स्वागत किया गया।

### चर्चा में बोले मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश सरकार गौरवशाली अतीत से जन-जन को जोड़ने के लिए कार्य करेगी

# गौरवशाली अतीत से धार्मिक पर्यटन विकास की संभावनाओं पर होगा कार्य

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार गौरवशाली अतीत से जन-जन को जोड़ने के लिए कार्य करेगी। यह कार्य धार्मिक पर्यटन विकास की संभावनाओं से जोड़कर किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन का मध्यप्रदेश से प्रगाढ़ संबंध है। सांदीपनि आश्रम उज्जैन में शिक्षा ग्रहण करने और प्रदेश के विभिन्न स्थानों से उनके जुड़ाव के संदर्भ में श्रीकृष्ण पाथेय के विकास के लिए पहल की गई है।

**पहल**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने राष्ट्र में पूर्व से पश्चिम दिशा तक यात्राएं कीं। मध्यप्रदेश की स्थिति मध्य में होने से उनका आवागमन होता रहा। ऐसे स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित कर धार्मिक पर्यटन के विकास का कार्य किया जाएगा, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को बदलने और नागरिकों की समृद्धि की दृष्टि से भी उपयोगी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि न सिर्फ श्रीकृष्ण भक्त बल्कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति जिज्ञासु व्यक्तियों और शोधार्थियों को भी आस्था के साथ ही भगवान श्रीकृष्ण के जीवन की विशिष्ट लीलाओं से परिचित करवाने का प्रयास किया जा रहा है। श्रीकृष्ण पाथेय के लिए अन्य राज्यों की सरकारों के साथ संयुक्त प्रयासों का अध्ययन भी किया जा रहा है। भगवान श्रीकृष्ण के वनवासियों से प्रेम, सुदामा से मित्रता-धर्म के निर्वाह और गुरू-शिष्य परम्परा के प्रसंग महत्वपूर्ण हैं। पुरातत्वविद्, धर्माचार्य और लेखक वर्ग भी श्रीकृष्ण पाथेय के विकास के लिए रूचि प्रदर्शित कर रहा है। भगवान श्रीकृष्ण के गमन स्थलों को चिन्हित कर अभिलेखीकरण के कार्यों को गति दी जाएगी।

### 'नारी शक्ति है सशक्त समाज की नींव'

नारी शक्ति केवल शब्द नहीं बल्कि समाज की आधारशिला है। जब एक महिला सशक्त होती है तो न केवल परिवार, बल्कि संपूर्ण समाज प्रगति की ओर बढ़ता है। मध्यप्रदेश सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए संकल्पबद्ध है। मेरा मानना है कि महिलाओं के सशक्तिकरण के सही मायने महिलाओं को उनके अधिकार, अवसर और समानता देना है ताकि वे स्वतंत्र रुप से निर्णय ले सकें, समाज परिवार में अपनी पूर्ण क्षमता से भागीदारी दिखा सकें। महिलाओं का सशक्तिकरण, उनकी शिक्षा, उनके स्वास्थ्य, राजनीतिक व आर्थिक अवसरों, समानताओं और उनकी सामाजिक स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है। 2025 में, जब हम महिलाओं के विकास और सशक्तिकरण की दिशा में किए गए कार्यों की समीक्षा करते हैं, तो हम पाएंगे कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के और मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव के नेतृत्व में देश-प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक और महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं।

### महिलाओं की हितैषी मध्यप्रदेश सरकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की Women Led Government की अवधारणा के अनुरुप ही मध्यप्रदेश में महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने, उनकी सहभागिता बढ़ाने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण के हर संकल्प को पूर्ण करने शिद्दत से कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश में किशोरी बालिकाओं, महिलाओं के सर्वांगीण विकास, संरक्षण, सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण, बेहतर स्वास्थ्य, पोषण के लिये विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य उन्हें हर क्षेत्र में सशक्त बनाना है। इनमें मिशन शक्ति अंतर्गत हब, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, वन स्टॉप सेन्टर, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, महिला हेल्पलाईन 181, सखी निवास, के साथ ही मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना-2023 और मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना आदि योजनाएं प्रमुख है।

## शॉट न्यूज

### 'तू फिर मिल गया...' यह कहकर युवक को मार दिए चाकू

**उज्जैन।** जिले के इंगोरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बोलेड़ी में बाइक को कट लगने की छोटी सी बात पर हुआ विवाद हत्याकांड में बदल गया। एक युवक ने चाकू से हमला कर युवक की हत्या कर दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इंगोरिया थाना प्रभारी इंद्रीयाज कटारा ने बताया कि गुरुवार रात राहुल पिता छोगालाल केवट (26) का गांव में ही रहने वाले गोपाल पिता प्रहलाद मोगिया से बाइक को कट मारने की बात पर विवाद हो गया था। हालांकि, कुछ देर बाद मामला शांत हो गया था और दोनों अपने-अपने काम से चले गए। लेकिन, कुछ घंटे बाद चौपाटी से एक बारात निकल रही थी। इस दौरान राहुल और गोपाल एक बार फिर आमने-सामने आ गए। इस दौरान गोपाल ने राहुल से कह कि तू फिर मिल गया... इस बात पर एक बार फिर दोनों के विवाद शुरू हो गया। जिसके बाद राहुल पर चाकू से हमला कर दिया।

### भिखारी से रुपए समेटकर ले गई लड़की

**भोपाल।** भोपाल में भीख लेना और देना दोनों ही जुर्म है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने इस पर रोक लगाई है। बावजूद शहर में भीख मंगवाने के रैकेट चल रहे हैं। ऐसे ही एक रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। भिक्षावृत्ति रोकने के लिए कलेक्टर ने जो टीम बनाई है, इनमें एक 60 साल की बुजुर्ग महिला भीख मांगती दिखाई दे रही है। कुछ देर बाद ही जींस-कुर्ता पहने आई लड़की महिला से रुपए ले गई। एक अन्य बुजुर्ग महिला को सुबह गाड़ी से छोड़ा गया और शाम को उसी में बैठाकर वापस ले गए। मामला शुक्रवार का है। 60 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला दाता कॉलोनी मजार और पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे बैठकर भीख मांग रही थी। एक्टिवा पर बैठकर आए युवक ने बुजुर्ग को रुपए दिए। युवक के जाते ही एक लड़की आई और बुजुर्ग महिला से भीख में इकट्ठा किए रुपए लेकर चली गई। 65 साल की बुजुर्ग महिला हिलिंग हैंड फिजियोथैरेपी सेंटर के पास भिक्षावृत्ति करते हुए दिखाई दी।

### माउंट कार्मेल की छात्रा ने जेईई मेन्स में किया प्रदर्शन

**भोपाल।** माउंट कार्मेल स्कूल की छात्रा श्रेष्ठा भीमागे ने जेईई मेन्स परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने 99.42% अंक हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया है। श्रेष्ठा ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत और लगन को दिया है। उन्होंने परीक्षा की तैयारी के लिए एक अनुशासित दिनचर्या का पालन किया। नियमित रूप से मॉक टेस्ट देने के साथ-साथ अपनी कमजोरियों पर विशेष ध्यान दिया। श्रेष्ठा के माता-पिता और शिक्षकों का लगातार मार्गदर्शन और समर्थन मिलता रहा। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा और वे अपने लक्ष्य पर केंद्रित रह सकीं। स्कूल के प्रधानाचार्य ने श्रेष्ठा की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठा एक प्रतिभाशाली छात्रा हैं। उनकी यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। श्रेष्ठा की सफलता से स्कूल और परिवार में खुशी का माहौल है।

# रोशनपुरा चौराहे पर बनेगा कांग्रेस का स्टेट हेडक्वार्टर

### कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स तोड़कर बनेगा 5 मंजिला ऑफिस, पूरे प्रदेश में प्रॉपर्टी की कराई मैपिंग

संवाददाता ● भोपाल

बीजेपी के बाद अब कांग्रेस भी अपना नया हाईटेक ऑफिस बनाने की तैयारी कर रही है। भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर स्थित कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स को तोड़कर नया प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) ऑफिस बनाने के प्लान पर काम शुरू हो गया है। बताया जा रहा है कि रोशनपुरा चौराहे पर बने कॉम्प्लेक्स की पहली मंजिल पर जिला कांग्रेस कमेटी का कार्यालय है। ग्राउंड फ्लोर पर करीब 35 दुकानों में तमाम शो रुम संचालित हो रहे हैं। पीछे पार्किंग और सामने ओपन ग्राउंड हैं। इसी कॉम्पलेक्स को तोड़कर कांग्रेस का 5 मंजिला नया प्रदेश मुख्यालय बनाने की तैयारी है। भोपाल में अभी जिस भवन में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय संचालित हो रहा है, वहां नया ऑफिस बनने के बाद प्रकोष्ठ और सामाजिक संगठनों के कार्यालय और जिला कार्यालय को शिफ्ट किया जा सकता है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार रोशनपुरा चौराहे पर पार्टी की करीब दो एकड़ जमीन है। भोपाल की सबसे प्राइम लोकेशन पर कांग्रेस की जमीन और कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स है। हालांकि, कई किराएदार ऐसे हैं जो सालों से किराया ही नहीं दे रहे हैं। ऐसे में पार्टी ने अब अपनी जमीन पर मुख्यालय बनाने की कवायद शुरू कर दी है। नए ऑफिस में किसी भी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधि संचालित नहीं होगी। यानि अब कांग्रेस अपने ऑफिस परिसर में किसी दुकान या शोरुम को किराए पर स्पेस नहीं देगी।

**प्लान**

### पूरे एमपी में कांग्रेस की संपत्तियों की कराई मैपिंग

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने भोपाल सहित पूरे मप्र में कांग्रेस की संपत्तियों की मैपिंग कराई है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर जैसे बड़े शहरों के साथ ही किस जिले में कांग्रेस की कितनी संपत्ति है। इसकी मैपिंग कराकर जानकारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) को दिल्ली भेजी गई है। माना जा रहा है कि पीसीसी के बाद जिलों में भी कांग्रेस कार्यालयों का कायाकल्प कराया जा सकता है।

#### दिल्ली से ग्रीन सिग्नल मिलते ही शुरू होगा काम

एमपी कांग्रेस की ओर से नया ऑफिस बनाने का खाका तैयार कर लिया गया है। प्रॉपर्टी की मैपिंग के साथ ही नए प्रदेश कार्यालय की बिल्डिंग के निर्माण को मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। एआईसीसी से ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद इसका काम शुरु हो जाएगा।

#### पटवारी ने अध्यक्ष बनते ही कराया रेनोवेशन

जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कमान संभालने के बाद भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय की पूरी बिल्डिंग का रेनोवेशन कराया है। पीसीसी में कांग्रेस के विभाग, प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों के चेंबर्स से लेकर स्टाफ के बैठने की व्यवस्था-इंटीरियर डेकोरेशन कराया गया है।

### नए भवन में नेताओं के ठहरने की होगी व्यवस्था

नए कांग्रेस स्टेट हेडक्वार्टर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के साथ ही यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, सेवादल, किसान कांग्रेस, आदिवासी कांग्रेस, एससी, एसटी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्षों और टीम के बैठने के लिए कक्ष बनाए जाएंगे। राष्ट्रीय नेताओं के रुकने के लिए भी रुम बनाए जाएंगे। अभी बाहर से आने वाले नेताओं के लिए होटलों में कमरे किराए पर लेने पड़ते हैं। कई बार बड़े आयोजन होने के चलते नेताओं के लिए होटलों में कमरे बड़ी मशक्कत से मिल पाते हैं। अब ऑफिस में ही ठहरने की व्यवस्था होगी।

### मप्र में फिर बदले मौसम, बढ़ेगा तापमान 15 के बाद तेज गर्मी

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। जहां पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं की वजह से प्रदेश में ठंड बढ़ गई थी, मार्च महीने में पारा 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। अब मौसम बदलेगा और दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की बढ़ोतरी होगी। वहीं, 15 मार्च के बाद गर्मी के तेवर देखने को मिल सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी हवा चलने से प्रदेश में भी असर देखने को मिल रहा है। पिछले 4 दिन तक तो तेज सर्दी रही। राजगढ़, शाजापुर, उमरिया, मंडला, नौगांव और मलाजखंड में कड़ाके की ठंड पड़ी। वहीं, इन शहरों में शीतलहर का असर भी देखा गया। गुरुवार-शुक्रवार की रात में शहडोल में 6.2 डिग्री, शाजापुर में 7.9 डिग्री, नौगांव, उमरिया और पचमढ़ी में 8 डिग्री, मंडला में 8.3 डिग्री, मलाजखंड में 8.5 डिग्री, जबलपुर में 9.4 डिग्री रहा, जबकि भोपाल में 10.5 डिग्री।

### कार में फंसकर जिंदा जला युवक...नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत

**बालाघाट।** मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में 24 घंटे में विभिन्न दुर्घटनाओं में तीन लोगों की जान चली गई। एक तरफ, वैनगंगा नदी के आमघाट में डूबने से दो नाबालिग बच्चों की मौत हो गई। इनमें से एक का शव गुरुवार को बरामद किया गया, तो दूसरे का शव शुक्रवार को बरामद किया गया। इनकी तलाश के लिए एसडीआरएफ और गोताखोरों ने कड़ी मेहनत की। दूसरी तरफ, वारासिवनी तहसील के ग्राम मुरमाड़ी में भिलाई से शादी समारोह में शामिल होने के लिए आए थे, जिनकी ऑल्टो कार पेड़ से जा टकराई। इस वजह से गाड़ी में आग लग गई और इसमें सवार एक युवक की जान चली गई। गाड़ी में पांच लोग सवार थे, जिनमें से चार का इलाज अस्पताल में जारी है। बालाघाट नगर के पास वैनगंगा नदी के आमघाट में दो बच्चों के डूबने से सनसनी फैल गई। दोनों बालक, आरव और पीयूष बालाघाट निवासी हैं।

# प्रदेश को 3 महीने में मिला दूसरा टाइगर रिजर्व

### सीएम बोले- माधव नेशनल पार्क की अधिसूचना जारी

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश को तीन माह में दूसरा टाइगर रिजर्व मिला है। शिवपुरी जिले में स्थित माधव नेशनल पार्क प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व बना है। इसको लेकर प्रदेश सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वन्य जीव पर्यटन के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम उठाने वाला राज्य है। प्रदेश का चम्बल अंचल और निकटवर्ती क्षेत्र पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बनाएगा। इस अंचल में जहां एशिया का प्रथम चीता प्रोजेक्ट लागू कर चीतों के पुनर्वास का महत्वपूर्ण कार्य हुआ है और अब चीतों की दूसरी पीढ़ी ने भी जन्म ले लिया है। घड़ियाल प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन और अब माधव नेशनल पार्क प्रदेश के 9वें टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित होने से यह क्षेत्र पर्यटकों के और अधिक आकर्षण का केन्द्र बनेगा।

**दो बाघ और छोड़ जाएंगे नेशनल पार्क में** - मुख्यमंत्री ने कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर परिसर में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि माधव टाइगर रिजर्व के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। वर्ष 1956 में स्थापित माधव नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व घोषित होने से प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व होगा, जो प्रदेश के वाइल्ड लाइफ टूरिज्म को बढ़ावा देगा। दो वर्ष पूर्व माधव राष्ट्रीय उद्यान में दो मादा और एक नर बाघ छोड़े गए थे। मादा बाघ ने दो शावकों को जन्म दिया है अब 2 बाघ और भी छोड़े जाएंगे, जिससे यहां 7 बाघ हो जाएंगे और प्राकृतिक ब्रीडिंग से बाघों की संख्या में वृद्धि होगी। शिवपुरी शहर के पास होने से पर्यटकों की सुविधा की दृष्टि से आदर्श होगा। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता और माधव राष्ट्रीय उद्यान में बाघ होने से पर्यटको को दो बड़े वन्य जीव देखने का अवसर प्राप्त होगा। माधव राष्ट्रीय उद्यान में बाघ के साथ ही तेंदुआ, भेड़िया, सियार, साही, अजगर, चिंकारा आदि वन्य प्राणी भी पाए जाते हैं।

#### तीन माह में दूसरा टाइगर रिजर्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तीन माह में प्रदेश में दूसरे टाइगर रिजर्व का प्रारंभ होना पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर के नाम से रातापानी अभयारण्य 8वां टाइगर रिजर्व था। वर्ष 2025 शुरुआत से वन्य जीवन पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण और अनुकूल सिद्ध हो रहा है। प्रदेश में वन्य जीवों के साथ मनुष्यों के सह-जीवन का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है। वर्तमान में जितने भी टाइगर रिजर्व हैं, वहां पर्यटन विभाग के होटलों सहित वाहनों की शत-प्रतिशत बुकिंग की स्थिति रहती है। प्रदेश में पर्यटक संख्या निरंतर बढ़ती रहेगी।

### कलेक्टर उमरिया पर 25 हजार रुपये की लगाई कॉस्ट

# संभागायुक्त को डाकघर की तरफ कार्य की अनुमति नहीं दे सकते : कोर्ट

संवाददाता ● जबलपुर

जबलपुर हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने तल्ख टिप्पणी करते हुए अपने आदेश में कहा है कि संभागायुक्त को डाकघर की तरफ कार्य करने की अनुमति प्रदान नहीं कर सकते हैं। संभागायुक्त ने बिना दिमाग लगाए अपील को खारिज करने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। युगलपीठ ने महिला को तड़ीपार किये जाने के आदेश को निरस्त करते हुए कलेक्टर उमरिया पर 25 हजार रुपये की कॉस्ट लगाई है।

**आदेश**

उमरिया जिले की पाली थाना निवासी महिला मुन्नी उर्फ माधुरी तिवारी ने कलेक्टर द्वारा अक्तूबर 2024 में पारित जिला बदर के आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि कलेक्टर के आदेश के खिलाफ उन्होंने संभागायुक्त के समक्ष अपील दायर की थी। संभागायुक्त के द्वारा अपील खारिज किये जाने के कारण उक्त याचिका दायर की गयी है। याचिका में कहा गया था कि उसके खिलाफ छह अपराधिक मामले दर्ज हैं और किसी में भी उसे सजा से दंडित नहीं किया गया है। इसमें से दो धारा 110 के तहत तथा दो मामूली मारपीट की धाराओं के है। इसके अलावा दो प्रकरण एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किये गये हैं। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि कलेक्टर उमरिया ने अधिनियम 1990 की धारा 5 (बी) की अपेक्षाओं के विपरीत आदेश पारित किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि निष्कासन का आदेश कानून की अपेक्षाओं के अलावा केवल कुछ अन्य बाध्यताओं पर पारित किया गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संभागीय आयुक्त शहडोल ने भी मामले के तथ्य और परिस्थितियों पर अपना दिमाग नहीं लगाया है। बिना दिमाग लगाए अपील को खारिज करने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिये। यह एक गंभीर मामला है और संभागीय आयुक्तों से अपेक्षा की जाती है कि वे किसी भी अधिनियम के प्रावधानों के तहत उनके समक्ष अपील दायर करते समय अपना दिमाग का उपयोग करेंगे और उन्हें डाकघर के रूप में कार्य करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि जिला कलेक्टर ने एसएसओ मदनलाल मरावी के बयान के आधार पर महिला के खिलाफ जिला बदर के आदेश पारित किया है। एसएसओ ने बयान में स्वीकार किया है कि एनडीपीएस के एक प्रकरण में आरोपी रमेश सिंह सेंगर के बयानों के आधार पर याचिकाकर्ता महिला को आरोपी बनाया गया था। उसके पास से कोई प्रतिबंधित पदार्थ जब्त नहीं किया गया था। पाली क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति ने यह बयान नहीं दिया है कि याचिकाकर्ता को स्वतंत्र रहने दिया जाता है, तो उनके अस्तित्व को समस्या होगी। याचिकाकर्ता के खिलाफ पुलिस कर्मियों के साथ झगड़ा तथा कोई समाज, संगठन या समुदाय के विवाद की कोई शिकायत नहीं है। एकलपीठ ने कलेक्टर तथा संभागायुक्त द्वारा पारित आदेश को निरस्त करते हुए राज्य सरकार को मुकदमे की लागत 25 हजार रुपये वहन करने के आदेश जारी किये हैं। जिला कलेक्टर सात दिनों के अंदर उक्त राशि याचिकाकर्ता को प्रदान करें। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने पैरवी की।

# फिल्म 'सिकंदर' के बजट का आधा पैसा ले गए सलमान

## रश्मिका मंदाना और बाकी को मिले चिल्लर!

सलमान खान इन दिनों सिकंदर को लेकर खूब चर्चा में हैं। फिल्म का जबसे टीजर आया है, हर तरफ इसी की चर्चा हो रही है। सिकंदर को लेकर खूब अपडेट भी आ रहे हैं। सलमान खान के फैंस इस फिल्म का खूब इंतजार कर रहे हैं। मेकर्स भी इस फिल्म का बज बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। सिकंदर को एआर मुरुगादास ने डायरेक्ट किया है। खबर है कि फिल्म सिकंदर ने रिलीज के पहले ही 165 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। मेकर्स को ये कमाई नॉन थिएट्रिकल राइट्स से हुई है। फिल्म का बजट 200 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। अब सवाल उठता है कि आखिर इस फिल्म के लिए सलमान खान, रश्मिका और बाकी एक्टर्स को कितनी फीस मिली है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में सलमान खान की फीस को लेकर अलग अलग दावे किए जा रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स में बताया गया कि सलमान खान ने सिकंदर के लिए 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की फीस ली है। अमूमन सलमान फिल्मों के लिए फीस की जगह उनकी कमाई का प्रॉफिट शेयर करते हैं।

# हाई हील्स में ऐसा बिगड़ा बैलेंस

## सीढ़ियों से गिरीं एक्ट्रेस, वीडियो में दिख गया सब

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मॉडल कंगना शर्मा इस समय सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। वह अपने बोल्ड आउटफिट्स की वजह सेलोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रहती हैं। कंगना शर्मा के वीडियोज और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होती रहती हैं। अब हाल ही में मुंबई के एक रेस्तरां के बाहर कंगना शर्मा पैपराजी को पोज दे रही थीं, जहां पर हाई हील्स की वजह से उनका बैलेंस बिगड़ा और धड़ाम से जमीन पर गिर गईं। कंगना शर्मा का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कंगना



शर्मा सीढ़ियों पर खड़े होकर पोज देती नजर आ रही हैं। उसके बाद वह जैसे ही एक कदम आगे बढ़ाती हैं तो हील्स से डिसबैलेंस हो जाती हैं और जोर से गिर पड़ती हैं। इसके बाद लोग कंगना शर्मा को उठाने के लिए सामने आते हैं। वहीं कंगना सीढ़ियों पर अपना पैर पकड़कर बैठ जाती हैं। आपको बता दें कि कंगना का ये इंटरनेट पर छाया हुआ है।

# तमन्ना-विजय वर्मा का क्यों हुआ ब्रेकअप?

तमन्ना भाटिया साउथ ही नहीं बॉलीवुड में भी मशहूर हैं। उन्होंने साउथ के अलावा बॉलीवुड में भी कई हिट फिल्में दी हैं। बाहुबली, पैय्या, सई रा नरसिम्हा रेड्डी, हैप्पी डे, कल्लुरी जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। तमन्ना भाटिया के फैंस उन्हें फिर से बड़े पर्दे पर देखने को बेताब हैं। वहीं आज कल तमन्ना फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में हैं। वह लस्ट स्टोरीज 2 के अपने को - एक्टर विजय वर्मा को डेट कर रही थीं, लेकिन खबर है कि एक्ट्रेस ने उनसे ब्रेकअप कर लिया है। हालांकि तमन्ना ने अभी इस पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन हाल ही में उन्होंने एक नए इंटरव्यू में प्यार और रिश्ते पर अपने विचार शेयर किए। तमन्ना भाटिया ने हाल ही में ल्यूक कॉउटिन्हो के साथ उनके YouTube चैनल पर बातचीत में कहा, 'प्यार' और 'रिश्ता' दो अलग चीजे हैं। लोग हमेशा दोनों के बीच भ्रमित हो जाते हैं और एक दूसरे का इस्तेमाल करते हैं।'मैंने हाल ही में महसूस किया कि लोग भ्रमित हैं कि प्यार क्या है और रिश्ता क्या है? मेरा कहना केवल पुरुष-महिला संबंधों के बारे में नहीं है, बल्कि दोस्तों के बीच भी है। जिस क्षण प्यार में शर्तें आ जाती हैं, मुझे लगता है उस क्षण से प्यार, प्यार नहीं रह जाता है। प्यार का विचार केवल बिना शर्त का हो सकता है। प्यार हमेशा एकतरफा होता है। तमन्ना ने कहा कि जब कोई व्यक्ति प्यार में उम्मीदें रखना शुरू कर देता है तो यह एक व्यापारिक लेन-देन बन जाता है।

# विक्की की फिल्म 'छावा' ने 22 वें दिन पीटा ऐसा डंका

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'छावा' अपने 22वें दिन के पड़ाव पर पहुंच चुकी है। इस फिल्म की बम्पर कमाई ने कई फिल्मों को पछाड़ दिया है। छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति राजा सम्भाजी महाराज की जिंदगी पर बनी ये फिल्म हर दिलों को जीत रही है। वहीं 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' और 'क्रेजी' जैसी फिल्मों की बत्ती गुल हो चुकी है। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी फिल्म 'छावा' 22 दिनों में सिनेमाघरों में डंका पीट चुकी है। वहीं शुक्रवार को 'छावा' में हुई कमाई में जबरदस्त उछाल नजर आया। 'छावा' के 22वें दिन की कमाई ने देश भर में सबसे अधिक कमाई करने वाली चौथी फिल्म 'RRR' की कमाई को धोबी-पछाड़ दे दी है, जिसने तीसरे शुक्रवार को केवल 4.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

# 'मैं उनके बेडरूम में...' आलिया भट्ट को पड़ोसियों के घरों में झांकने की है लत!

आलिया भट्ट आज बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस हैं, लेकिन असल जिंदगी में कैसी हैं, इसके बारे में शायद करीबी लोग ही जानते हैं। उन्होंने अब फैंस को अपनी कुछ दिलचस्प बातें पॉडकास्ट में बताईं। आलिया भट्ट को हाल में पता चला कि वे 'ADHD' और एंजाइटी से पीड़ित हैं। वे जब अपने मुश्किल दिनों से गुजर रही होती हैं, तो वे अपनी छोटी बालकनी में जाकर अपने पड़ोसियों के घरों में झांकती हैं। चूंकि एक्ट्रेस के घर से सटी कई इमारतें हैं, इसलिए वे लोगों को अपने जीवन में रमते हुए देख सकती हैं। उन्हें इससे जुड़ाव महसूस होता है। आलिया भट्ट ने जय शेठी के पॉडकास्ट पर कहा, 'जब मेरा दिन खराब होता है, तो मैं अक्सर अपने बेडरूम के पीछे वाली छोटी सी बालकनी पर जाती हूं। यह बहुत छोटी है, जैसे कोई एक फायर एग्जिट। मैं वहां खड़ी हो जाती हूं।' आलिया ने आगाह किया कि लोगों को उनकी बात थोड़ी अजीब लग सकती हैं, लेकिन उन्हें लोगों के घरों में झांकना अच्छा लगता है। वे कहती हैं, 'मैं वहां खड़ी हो जाती हूं। मुझे अलग-अलग लोगों के घरों की एक्टिविटी का नजारा मिलता है। कोई कपड़े लेकर चल रहा होता है, कोई टीवी देख रहा होता है। मैं उनके बेडरूम में नहीं देख रही होती, लेकिन इससे मुझे यह एहसास होता है कि दूसरों के साथ आपका जीवन भी चल रहा होता है।' आलिया भट्ट ने आगे कहा कि लोग अक्सर अपने बारे में बहुत ज्यादा सोचते हैं, इसलिए वे पीछे हटकर चीजों को और ज्यादा साफ देख पाती हैं। उन्होंने अपनी बात समझाते हुए कहा, 'चूंकि आप अपने जीवन के बारे में सोचने के इतने आदी होते हैं, जैसे यह मेरा है, वो मेरा है। जब आप बड़े पैमाने पर देखते हैं, तो सारी चिंता गायब हो जाती है। आप एक पल चुनते हैं और आप अपने जीवन में जहां हैं, उसके लिए आभार महसूस करते हैं।' 31 साल की आलिया भट्ट ने 1999 की फिल्म 'संघर्ष' से डेब्यू किया था। उन्होंने लीड हीरोइन के तौर पर फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से डेब्यू किया था।

# निमरत कौर को दुकानदार ने रोककर सामान निकलवाया

निमरत कौर हिंदी सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उन्हें आखिरी बार फिल्म 'स्काई फोर्स' में देखा गया था, जिसका प्रीमियर 24 जनवरी, 2025 को हुआ था। फिल्म हिट होने के साथ-साथ निमरत के किरदार की भी सभी ने तारीफ की थी। हाल ही में एक्ट्रेस एक शर्मनाक स्थिति में फंस गईं जब एक स्टोर वाले ने उन्हें उस समय रोक लिया जब वह अपनी कार की ओर जा रही थीं। हाल ही में, निमरत कौर का एक वीडियो रेडिट पर सामने आया। क्लिप में, हम निमरत को एक साइड स्लिट वाली कैजुअल व्हाइट-रंग की मैक्सी ड्रेस पहने और बालों को एक हाई मेसी बन में बांधे हुए देख सकते हैं। वह YSL बैग लेकर स्टोर से बाहर निकलती हुई दिखाई दे रही थीं, तभी एक स्टोर वाला उनके पीछे भागा और उन्हें बीच रास्ते में रोक लिया। इसके अलावा, वीडियो में ऐसा लग रहा था कि स्टोर वाले ने विनम्रता से उनसे कोई सामान मांगा और निमरत ने तुरंत अपना हाथ अपने बैग में डाला और उसे उस आदमी को थमा दिया। अब, इंटरनेट पर यह सवाल उठ रहा है कि क्या निमरत ने गलती से सामान अपने बैग में रख लिया था या फिर वह आदमी उस सामान पर लगे सिक्योरिटी अलार्म को हटाना चाहता था। जैसे ही पोस्ट सामने आई, नेटिजेंस ने कमेंट सेक्शन में बाढ़ ला दी। एक यूजर ने लिखा- कोई डाउट नहीं। बस बैग में हाथ डाला, बिना देखे सामान को निकाला और वापस कर दिया। मोटी चमड़ी। एक ने कहा- ऐश्वर्या राय के साथ जुड़ने से भी अधिक शर्मनाक। एक तीसरे यूजर ने लिखा- ठीक है, हम जानते हैं कि वह एक क्लेप्टोमेनियाक है, जिसने किसी और के पति को चुराने की कोशिश की। जबकि उनके कुछ फैंस उनके बचाव में आए और लिखा- वह स्पष्ट रूप से उसे टैग दिखा रहा है।

## न्यूज कॉलम

### तेज रफ्तार बोलेरो पेड़ से टकराई, 2 की मौत, एक महिला गंभीर

**सूरजपुर।** छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में आज सुबह एक तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित हो कर पेड़ से जा टकराई. इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और 1 महिला गंभीर रूप से घायल हो गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को तत्काल अस्पताल भेजा और मर्ग कायम कर मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया. जानकारी के मुताबिक, घटना प्रतापपुर थाना क्षेत्र के शिवपुर तीराहे पर घटी. हादसा इतना भयंकर था कि बोलेरो के सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है, जबकि घायल महिला का इलाज अम्बिकापुर मेडिकल कॉलेज में जारी है. फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

### मुंहबोले भाइयों के साथ पिकनिक स्पॉट गई युवती हुई दरिंदगी का शिकार

**बलरामपुर।** मुंहबोले भाइयों और बहन के साथ पिकनिक स्पॉट घूमने गई युवती के साथ दरिंदों ने दुष्कर्म किया. इतने पर भी मन नहीं भरा तो युवती को उसके भाई के साथ घर में बंधक बना लिया. किसी तरह भागने में कामयाब रहे भाई ने पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घंटेभर के भीतर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कियाघटना वाड्रफ नगर के खरहरा पिकनिक स्पॉट की है. जानकारी के अनुसार, पिकनिक मनाने पहुंचे युवक-युवतियों के साथ पहले तो आरोपियों ने मारपीट की. इसके बाद एक जोड़े के भागने पर दूसरे जोड़े को घर में बंधक बनाकर रखा. इसके पहले आरोपी कुछ और घटना को अंजाम देते युवक मौके से भागने में कामयाब रहा, और पुलिस को सूचना दी. वाड्रफनगर पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुये तत्काल आरोपियों को पकड़ा।

### आरक्षक को अज्ञात वाहन ने लिया चपेट में, मौके पर मौत

**कोरबा।** एक आरक्षक की सड़क हादसे में मौत हो गई. आरक्षक नाइट ड्यूटी के लिए घर से निकला और मोगरा थाना अंतर्गत जावली मुख्य मार्ग पर एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गया. इस घटना में आरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल आरक्षक को राहगिरों ने डायल 112 की सहायता से कटघोरा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरक्षक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है.जानकारी के मुताबिक, मृतक आरक्षक भूपेंद्र कंवर दीपका थाना में पदस्थ था और कटघोरा के निवासी था. वह अपनी नाइट शिफ्ट की ड्यूटी पर बाइक से दीपका थाना जा रहे थे, तभी यह हादसा मोगरा थाना अंतर्गत जावली मुख्य मार्ग पर हुआ।

### सीएम साय और मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने दीप प्रज्वलित कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

# अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रायपुर में वृहद महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन

**संवाददाता ● रायपुर**

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को रायपुर स्थित साइंस कॉलेज मैदान में वृहद महतारी वंदन सम्मेलन और राज्य स्तरीय महिला मड़ई का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कार्यक्रम स्थल पहुंच चुके हैं। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सहित सभी कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक, रायपुर महापौर एवं अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद हैं।छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के सफलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री साय द्वारा प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाओं को योजना की 13वीं किश्त का भुगतान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्चुअल उपस्थिति में महतारी वंदन योजना की प्रथम किश्त विवाहित महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की गई थी। अब तक 12 किश्तों में 7,838 करोड़ रुपये की राशि प्रदेश की माताओं-बहनों को वितरित की जा चुकी है।

आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं के लिए ह्यसम्मान सुविधा प्रणालीह्व का शुभारंभ मुख्यमंत्री साय इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं के मानदेय भुगतान के लिए ह्वसम्मान सुविधा प्रणालीह्व का शुभारंभ करेंगे। यह पहली बार होगा जब मुख्यमंत्री स्वयं आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं को डिजिटल और केंद्रीकृत प्रणाली के माध्यम से सीधे मानदेय का भुगतान करेंगे।

इस प्रणाली में फेशियल रिकग्निशन सिस्टम के माध्यम से कार्यकताओं और सहायिकाओं की नियमित उपस्थिति दर्ज होगी, जिसके आधार पर उन्हें सीधे राज्य सरकार से मानदेय का भुगतान किया जाएगा। यह प्रणाली आंगनबाड़ी कार्यकताओं के मानदेय भुगतान में सटीकता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करेगी। छत्तीसगढ़ बनेगा सखी वन स्टॉप सेंटर की मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित करने वाला पहला राज्य मुख्यमंत्री साय इस अवसर पर उत्पीड़ित एवं संकटग्रस्त महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण डिजिटल सुविधा की शुरूआत करेंगे, जिसके तहत वे ऑनलाइन एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री साय बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के पोर्टल, इंफ्रा पोर्टल तथा स्थापना पोर्टल का भी शुभारंभ करेंगे। साथ ही, बिलासपुर स्थित क्षेत्रीय महिला प्रशिक्षण संस्थान के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी किया जाएगा। महिला सुरक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए ह्वसखी वन स्टॉप सेंटरह्व की मानक संचालन प्रक्रिया (रडढ) का विमोचन भी किया जाएगा। इसके साथ ही, छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन जाएगा जो सखी वन स्टॉप सेंटर के सुचारू संचालन हेतु एक निर्धारित एसओपी लागू करेगा।

#### राज्य स्तरीय महिला मड़ईः महिला उद्यमिता और स्वावलंबन का मंच

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 4 से 8 मार्च 2025 तक राज्य स्तरीय महिला मड़ई का आयोजन किया जा रहा है। इस मड़ई में महिला स्व-सहायता समूहों और महिला उद्यमियों द्वारा निर्मित उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय के लिए 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। राज्य के विभिन्न जिलों से आईं महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं अपनी उत्पादित सामग्रियों का प्रदर्शन और विक्रय कर रही हैं। इसके साथ ही, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु विशेष स्टॉल भी लगाए गए हैं। इस आयोजन के अंतर्गत प्रदेशभर से नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों और महिला समूहों के प्रतिनिधियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है, ताकि वे महिला उद्यमिता और स्वावलंबन से जुड़े विभिन्न प्रयासों को नजदीक से देख और समझ सकें।

#### महिला सशक्तिकरण का महाकुंभ

50,000 से अधिक महिलाओं की सहभागिता वृहद महतारी वंदन सम्मेलन और राज्य स्तरीय महिला मड़ई में पूरे प्रदेश से 50,000 से अधिक माताएं, बहनें और बेटियां शामिल होंगी। इस भव्य आयोजन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, सामाजिक उत्थान और आर्थिक स्वावलंबन को एक नई दिशा देने का प्रयास किया जा रहा है।

#### नारी शक्ति के सम्मान का महोत्सव

यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की माताओं, बहनों और बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण का महोत्सव होगा। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक महिलाओं तक पहुंचे, इसके लिए इस अवसर पर महिला समृद्धि संबंधित शासकीय योजनाओं के व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा।

### बस्तर क्षेत्र लंबे समय से नक्सली हिंसा से प्रभावित रहा

# साय सरकार के सुशासन से मिल रहा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की महिलाएं के जीवन को नया रंग

**संवाददाता ● रायपुर**

छतीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने आरम्भ से ही राज्य के नक्सली प्रभावित क्षेत्रों को हर दिशा से विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का काम कर रही है, और उसका सकारात्मक प्रभाव अब आसानी से देखने को भी मिल रहा है. छत्तीसगढ़ का बस्तर क्षेत्र लंबे समय से नक्सली हिंसा से प्रभावित रहा है. यहाँ की महिलाओं को रोजगार के सीमित अवसर मिले हैं, जिससे वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र नहीं हो पातीं. हालाँकि, विष्णुदेव साय सरकार ने इस स्थिति को बदलने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं. सरकार द्वारा प्रोत्साहित और समर्थित एक अभिनव पहल के अंतर्गत, बस्तर की महिलाएँ अब हर्बल गुलाल बनाने में जुटी हैं. यह पहल न केवल उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि उनके जीवन में एक नई आशा जगा रही है एक नया रंग भर रही है या ऐसा भी कहा जा सकता है नक्सलवाद ने जिन महिलाओं के जीवन को किया बेरंग, वही महिलाएं आज हर्बल गुलाल बनाकर लोगेां के जीवन में खुशहाली ला रही थी

#### स्व-सहायता समूह बनाकर महिलाएं बना रही हैं होली के लिए फूलों और सब्जियों से हर्बल गुलाल

बीजापुर जिले के नक्सल प्रभावित पंचायत भैरमगढ़ के शिविर में रहने वाली कई महिलाएं, नक्सलवाद ने जिनका जीवन नष्ट ही हर दिया था प्रदेश की साय सरकार में आज बीजापुर जिले के भैरमगढ़.में बिहान कार्यक्रम के अंतर्गत माँ दुर्गा महिला स्व सहायता समूह की महिलाएं हर्बल गुलाल बनाकर आत्मनिर्भर बन रही हैं. अब तो ऐसी सम्भावना दिख रही है कि अब बीजापुर के लोग इनके बनाए हर्बल रंगों और गुलाल से ही होली खेलेंगे. इन महिलाओं के बनाए हर्बल गुलाल की बढ़ती डिमांड भी काफी उत्साह बढ़ाने वाली है. अलग-अलग जगह से इनको गुलाल का ऑर्डर मिल रहा है प्रत्यक्ष-अपरोक्ष रूप से आज सभी राज्य के मुख्यमंत्री को आभार प्रकट कर रहे हैं. जनपद पंचायत सीईओ पुनीत राम साहू ने बताया कि महिलाओं को हर्बल गुलाल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है. जिसका फायदा उठाते ये महिलाएं पिछले पांच सालों से गुलाल बनाकर बाजार में बेचकर इसका फायदा उठा रही हैं. हर साल करीब 50 किलो से ज्यादा गुलाल बेचकर अपने परिवार का भरण भोषण कर रही हैं. इस समय इस समूह में 10 महिलाएं हैं।

#### नक्सलवाद क्षेत्र की महिलाएँ और उनका संघर्ष

बस्तर क्षेत्र में महिलाओं को कई सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. नक्सली गतिविधियों के कारण यहाँ उद्योग और व्यापार सीमित हैं, जिससे महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर नहीं मिल पाते. नक्सल प्रभावित गांव की महिलाओं ने नक्सलियों के डर से छोड़ा गांव छोड़ना पड़ा था. जीने के सारे साधन पीछे छूट गए थे. गाँव का गाँव वीरान हो गया था, इस कठिन परिस्थिति में विष्णुदेव साय सरकार ने एक नई राह दिखाने का प्रयास किया. भय से अपना गाँव घर छोड़ कर जाने वाली महिलाएँ आज राज्य के मुख्यमंत्री के सहयोग से गुलाल बनाकर पर्याप्त धन कमा रही है.

#### हर्बल गुलाल बनाने की पहल

हर्बल गुलाल बनाने की यह योजना महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई. इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को गुलाल बनाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षित किया जाता है, और उन्हें आवश्यक कच्चे माल और विपणन सहायता भी प्रदान की जाती है. हर्बल गुलाल बनाने के लिए प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग किया जाता है. इस प्रक्रिया में प्रमुख रूप से विभिन्न सब्ज़ियों और फूलों की पंखुड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा है. हल्दी, बेसन, पलाश, पालक भाजी, लाल भाजी, चुकंदर,टेसू के फूल, गेंदा फूल जैसे जैविक तत्वों के अलावा बस्तर के जंगलों में पाए जाने वाले विभिन्न रंगीन फूलों को इकट्ठा कर के हर्बल गुलाल बना रहीं हैं. इसके लिए फूलों और पत्तियों को धूप में सुखाकर पीस लिया जाता है.इसमें आवश्यक अन्य सामग्रियों को मिलाकर गुलाल तैयार किया जाता है और फिर इन तैयार हर्बल गुलाल को पैक कर बाजार में बेचा जा रहा है. प्राकृतिक रूप से बनने वाला यह हर्बल गुलाल न केवल पर्यावरण के लिए सुरक्षित होता है बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होता है. सामान्य गुलाल में हानिकारक रसायन होते हैं, जो त्वचा रोग, एलर्जी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं. इसके विपरीत, हर्बल गुलाल प्राकृतिक अवयवों से निर्मित होता है, जिससे कोई दुष्प्रभाव नहीं होता. यही कारण है कि लोग पहले से ही इसका ऑर्डर दे कर हर्बल गुलाल मंगवा रहे हैं. स्व सहायता समूह की अध्यक्ष फगनी कवासी और सचिव अनीता कर्मा ने बताया कि ह्वपहले हर्बल गुलाल बनाने की ट्रेनिंग जिला प्रशासन द्वारा दी गई थी. यहां बनाया गए रंग पूरी तरह से प्राकृतिक हैं. हमारे बनाए हर्बल गुलाल की डिमांड भी काफी ज्यादा है. जिला पंचायत के साथ ही मार्केट में भी जगह-जगह स्टॉल लगाकर इनका गुलाल बेचा जा रहा है।

### हंगामे के बीच हुआ बिलासपुर जिपं अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव, महज एक वोट के अंतर से जीते भाजपा प्रत्याशी

**संवाददाता ● बिलासपुर**

जिला पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव के दौरान हंगामा मच गया. बस बात केवल इतनी थी कि जिला पंचायत सभा कक्ष के लिए पीछे का दरवाजा खोलने दिया गया था. इस पर कांग्रेसियों ने विरोध जताते हुए जमकर हंगामा मचाया. बता दें कि जिला पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के लिए कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों के बीच कांटे का मुकाबला था. कुर्सी हासिल करने के लिए एक-एक वोट के लिए संघर्ष था. आखिरकार भाजपा के राजेश सूर्यवंशी ने कांग्रेस समर्थित सतकली बावरे को एक वोट से पराजित कर अध्यक्ष पद पर काबिज हुए. जिला पंचायत के 17 सदस्यों में बीजेपी के 9 और कांग्रेस व निर्दलीय के साथ 8 सदस्य थे. वोट भी इसी संख्या के हिसाब से हुआ. अध्यक्ष पद की तरह उपाध्यक्ष पद पर भी कांटे की टक्कर हुई. बीजेपी की ललिता कश्यप कांग्रेस की स्मृति त्रिलोक श्रीवास को महज एक वोट से पराजित कर उपाध्यक्ष बनीं. ललिता कश्यप को 9 वोट मिले, वहीं स्मृति श्रीवास को 8 सदस्यों का ही समर्थन मिला।

### बीजेपी के विनोद सोनी निर्विरोध चुने गए बिलासपुर नगर निगम के सभापति

**बिलासपुर।** नगर निगम बिलासपुर के नए सभापति के रूप में भारतीय जनता पार्टी के पार्षद विनोद सोनी निर्विरोध चुने गए हैं। सभापति पद के लिए बीजेपी ने पहले ही उनके नाम को तय कर लिया था, हालांकि इसकी औपचारिक घोषणा बाकी थी। कांग्रेस ने इस पद के लिए अपना कोई प्रत्याशी नहीं उतारा, जिससे विनोद सोनी को बिना किसी मुकाबले के यह पद हासिल हो गया।गौरतलब है कि बिलासपुर नगर निगम के कुल 70 वार्डों में से 49 वार्डों में बीजेपी के पार्षद हैं, जबकि कांग्रेस के पास 18 पार्षद और निर्दलीय पार्षदों की संख्या 3 है। पहले से ही बहुमत में होने के कारण बीजेपी का सभापति बनना तय माना जा रहा था, लेकिन कांग्रेस ने भी इस पद के लिए कोई प्रत्याशी नहीं उतारा, जिससे चुनाव की प्रक्रिया आसान हो गई। नगर निगम के नए सभापति के रूप में चुने जाने के बाद विनोद सोनी जल्द ही पदभार ग्रहण करेंगे। बीजेपी के नगर निगम में मजबूत पकड़ के चलते पार्टी समर्थकों में उत्साह देखा जा रहा है। वहीं, कांग्रेस की रणनीति को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा हो रही है कि आखिर उसने इस पद के लिए उम्मीदवार क्यों नहीं उतारा।

# राजनांदगांव जिले को मिला पहला महिला थाना, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने किया शुभारंभ

**संवाददाता ● राजनांदगांव**

जिले में महिला दिवस पर पहला महिला थाना का उद्घाटन किया गया. विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने फीता काटकर नए महिला थाना का शुभारंभ किया. जिला में नया महिला थाना खुलने से महिला प्रार्थी अपनी समस्या को आसानी से और बेझिझक रख सकेंगी. एसपी मोहित गर्ग ने उप निरीक्षक गीतांजली सिन्हा को नए थाने के प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है. महिला संबंधित अपराधों की संजीदगी से जांच कर कार्यवाही को अंजाम तक पहुंचाने और महिलाओं की विशेष सुनवाई के साथ ही उन्हें न्याय दिलाने के लिए महिला थाने की शुरूआत की गई है. महिला थाना में 1 प्रभारी, 2 महिला प्रधान आरक्षक, 3 महिला आरक्षक और 1 नगर सैनिक की तैनाती की गई है. महिलाओं की शिकायतों की बेहतर ढंग से सुनवाई हो और अपराध पंजीबद्ध हो यही इस नए थाने का उद्देश्य है. इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले महिला अधिकारी/ कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया. जिसके बाद डॉ. रमन सिंह ने महिला दिवस के अवसर पर महिला सम्मान एवं ससक्तिकरण के लिए महिला थाने से महिला बाईक रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया.

### सीएम साय से मिला छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स का प्रतिनिधिमंडल

**रायपुर।** बजट में ई झ्र वे बिल की लिमिट बढ़ाने और वेट में छूट की घोषणा पर छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधि मंडल ने आज शाम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास कार्यालय में मुलाकात कर उनके प्रति आभार जताया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वित्तीय वर्ष 2025 झ्र 26 के बजट में व्यापारियों को राहत देने के उद्देश्य से और कर के बोझ को कम करने के लिए ई-वे बिल सीमा 50 हजार रुपए से बढाकर एक लाख रुपए करने और 25 हजार रुपए तक की वैट देनदारी को माफ करने की घोषणा की है।

**कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मंडल दुर्ग (छत्तीसगढ़)**

(ई- प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना) दुर्ग दिनांक 05/03/2025
(द्वितीय आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से रो ऑनलाईन निविदाये प्रपत्र अ में प्रतिशत दर पर दिनांक 20/03/2025 तक आमंत्रित की जाती है।

| निविदा आमंत्रण सू.क. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत राशि लाख में |
|---|---|---|
| 174/दुर्ग (दुर्ग) /2024 | प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, दुर्ग के निवास हेतु 01 नग बी टाईप शासकीय आवासगृह का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहति कार्य। | 112.51 |
| 175/दुर्ग (राज.) /2024 176/ दुर्ग (राज.) /2024 | शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में ऑडिटोरियम का उन्नयन एवं बालिका फिटनेस सेंटर का निर्माण कार्य। लाल बहादुर नगर (ब्लाक डोंगरगढ़) में नवीन भवन तहसील कार्यालय भवन का निर्माण कार्य। | 33.69 |
| 177/दुर्ग (कवर्धा) /2024 | जिला कबीरधाम के (वि.ख. कवर्धा) के ग्राम घुघरी से मरपा मार्ग लं. 1.00 कि.मी. निर्माण कार्य | 128.30 |

टीप - 1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब Portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है। 2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग,
दुर्ग मण्डल दुर्ग, दूरभाष-0788-2210876

G-242505844/6

आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...



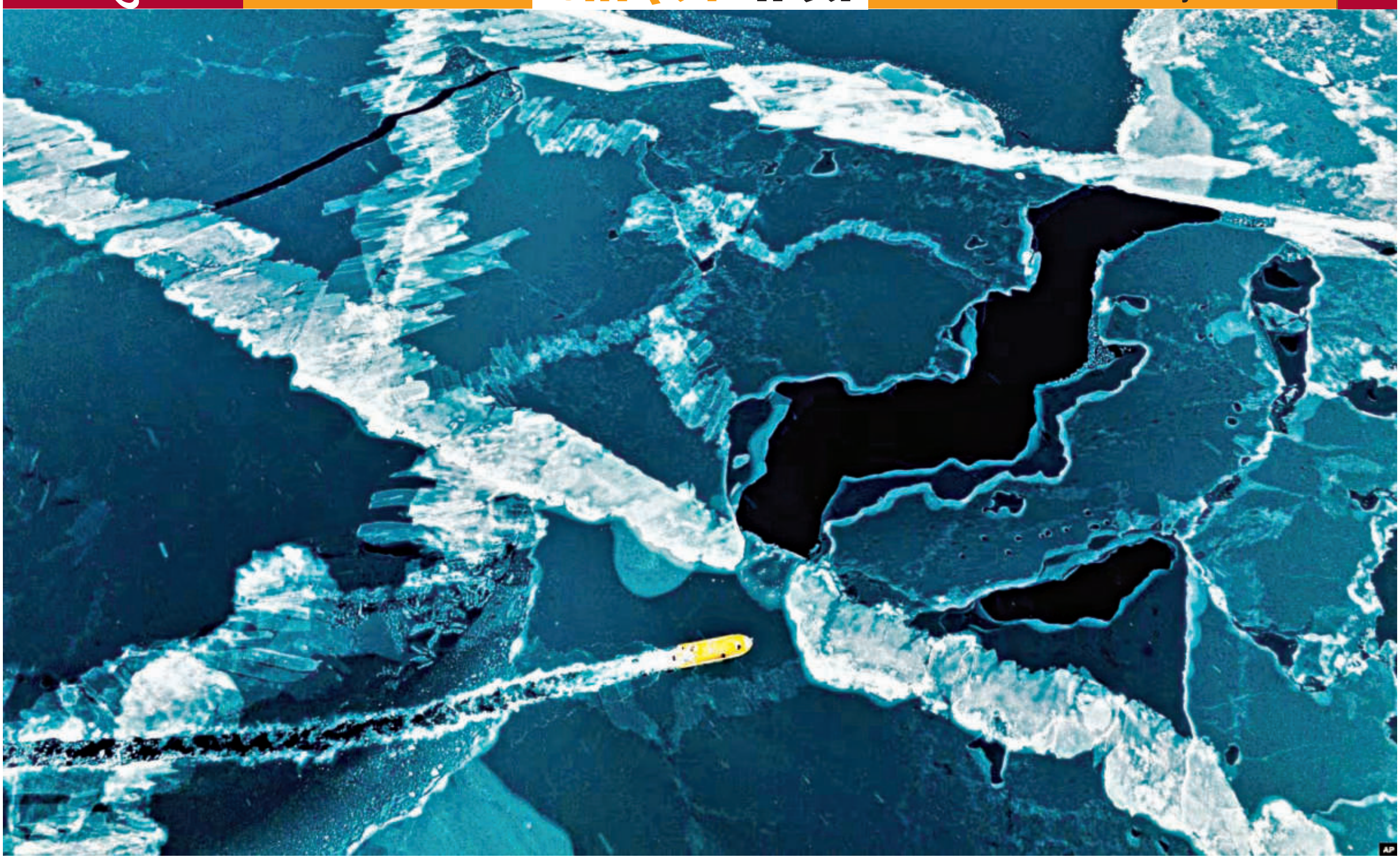

ग्रीनलैंड के नुउक के बाहर जमे हुए समुद्री प्रवेश द्वार से होकर गुजरती एक नाव।

## शॉट न्यूज

### हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकी यूपी में गिरफ्तार

**मुरादाबाद।** हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकवादी को मुरादाबाद पुलिस और एटीएस यूपी की सयुंक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। जनपद पुंछ जम्मू-कश्मीर का रहने वाला उल्फत हुसैन राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहा है। इस पर 25 हजार का इनाम घोषित था और यह 18 साल से फरार चल रहा था। साल 2002 में गिरफ्तार होने के बाद 2008 से जमानत पर छूटा था, उसके बाद कोर्ट में हाजिर नहीं हो रहा था। एटीएस यूनिट और मुरादाबाद पुलिस ने जम्मू कश्मीर पूँछ से गिरफ्तार कर लिया है। 18 सालों से फरार हिजबुल मुजाहिद्दीन का आतंकी को मुरादाबाद कटघर पुलिस और एटीएस यूपी की संयुक्त कार्रवाई के बाद मुरादाबाद से गिरफ्तार किया गया है। जनपद पुंछ, जम्मू-कश्मीर का रहने वाला उल्फत हुसैन राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहा है। साल 2002 में गिरफ्तार होने के बाद 2008 में जमानत पर जेल से बाहर आ गया था। उसके बाद से यह कोर्ट में पेश नहीं हो रहा था।

### दो दिन से लापता तीन लोगों के शव जलाशय में मिले

**जम्मू।** जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में तीन लोगों के शव जलाशय में मिलने से हड़कंप मच गया। ये दो दिन पहले लापता हुए थे। मृतकों में 14 वर्षीय बच्चा भी शामिल है। यह घटना आतंकवाद प्रभावित इलाके की बताई जा रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि योगेश सिंह, दर्शन सिंह और नाबालिग लड़का वरुण सिंह बुधवार शाम को बिल्लावर इलाके में शादी समारोह में शामिल होने निकले थे। तीनों के लापता होने की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों की ओर से बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसके बाद लोहाई मल्हार इलाके के पास एक जलाशय में तीनों लोगों के शव मिले। सूत्रों ने बताया कि इस इलाके में आतंकवादियों की भारी मौजूदगी है। पिछले 2 साल में यहां कई आतंकी हमले हो चुके हैं। पिछले महीने भी इसी इलाके से दो नागरिकों के शव बरामद किए गए थे। दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर के कठुआ और रामबन जिलों में कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत आतंकवादियों के 2 मददगारों को हिरासत में लिया गया है।

## नेपाल में फिर राजतंत्र बहाली की उठी मांग

# भ्रष्टाचार से परेशान जनता सड़कों पर निकली

**एजेंसी ● काठमांडू**

नेपाल में एक बार फिर राजतंत्र की मांग तेज हो गई है। राजशाही का समर्थन करने वाली राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (RPP) ने काठमांडू में एक रैली निकाली। इस रैली में बड़ी संख्या में लोग नेपाल का राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल हुए थे। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र वीर विक्रम शाह ने हाल ही में दावा किया है कि वह एक बार फिर देश के लिए सक्रिय भूमिका में आना चाहते हैं। वहीं प्रधानमंत्री केपी ओली और नेपाली कांग्रेस चीफ शेर बहादुर देउबा ने कहा कि नेपाल का फिर से राजशाही की ओर लौटना संभव ही नहीं है। सीपीए-माओवादी सेंटर के चेयरमैन पुष्पकमल दहल प्रचंड ने भी कहा है कि अगर पूर्व राजा को लगता है कि वह बहुत फेमस हैं तो वह अपनी एक पार्टी बना सकते हैं। जनता अगर मौका देगी तो वह फिर से देश की सेवा कर सकते हैं।

**राजतंत्र**

आरपीपी के समर्थकों का कहना है कि नेपाल की सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। ऐसे में लोकतंत्र को हटाकर एक बार फिर राजशाही लागू कर देनी चाहिए।

नेपाल में 2008 तक राजशाही की ही व्यवस्था थी। वहीं राजशाही खत्म होने केबाद काठमांडू के रॉयल पैलेस को म्यूजियम में तब्दील कर दिया गया था।

गुरुवार को पोखरा मे ज्ञानेंद्र शाह ने पूर्व राजा वीरेंद्र शाह की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस मौके पर भी बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। वहां लोगों ने राजशाही का राष्ट्रगान भी गाया। रिपोर्ट्स की मानें तो राजशाही की मांग करने वालों में बड़ी संख्या युवाओं की है।

#### मौजूदा व्यवस्था से दुखी हो गए लोग

नेपाल में जब राजशाही का अंत हुआ था तो जनता को लगता था कि लोकतंत्र में देश और जनता दोनों का बहुत भला होने वाला है। हालांकि अब नेपाल की जनता इस व्यवस्ता से ऊब रही है। वहीं ज्ञानेंद्र शाह की पॉपुलरिटी एक बार फिर बढ़ रही है। नेपाल की सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच भीलोगों का मोहभंग हो गया है। वहीं सरकार की विदेश नीति भी प्रभावी नहीं रही है।

#### जनता को याद आए पुराने दिन

नेपाल लंबे समय से भारत का सहयोगी रहा है। राजशाही के वक्त भारत और नेपाल के बीच मैत्रिसंबंध ज्यादा अच्छे थे। वहीं कम्युनिस्ट शासन में नेपाल की राजनीत में चीन का समर्थन और भारत विरोधी भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी है। नेपाल की सरकार में भारत की गोरखा रेजिमेंट में भर्तियां तक बंद करवा दीं। वहीं जनता को इससे नुकसान हो रहा है। ऐसे में वह पुराने दिनों को याद कर रही है। इसका फायदा राजशाही समर्थक उठाना चाहते हैं और वे जनता के आक्रोश को आंदोलन में बदलने की फिराक में हैं। राजशाही की मांग करने वाली आरपीपी की बात करें तो नेपाल की संसद में 275 में पार्टी की कुल संख्या 14 ही है। ऐसे में इस पार्टी का जनाधार मजबूत नहीं कहा जा सकता।

# औरंगजेब का आखिरी खत खोल देगा महिमामंडन करने वालों का दिमाग

**एजेंसी ● नई दिल्ली**

देश की राजनीति में मुगल शासक औरंगजेब चर्चा में है और समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के इसके महिमामंडन करने की कोशिश को लेकर विवाद बढ़ गया है। इतिहास के पन्नों में देखें तो विवादास्पद मुगल शासकों में सबसे बड़ा नाम औरंगजेब का है। औरंगजेब ने गैर-मुसलमानों पर जजिया कर जैसी भेदभावपूर्ण नीतियां लागू कीं। औरंगजेब ने सिखों के गुरु तेग बहादुर का सिर कलम करवा दिया था। उसने गुरु गोविंद सिंह के बेटों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया, वहीं संभाजी महाराज की आंखें फोड़ दीं और नाखून उखाड़ लिए। इसके शासन काल में भारत में शरियत के आधार पर फतवा-ए-आलमगीरी लागू किया और बड़ी संख्या में हिंदू मंदिरों को नष्ट कर दिया गया। काशी और सोमनाथ मंदिरों को नष्ट करवाया और लाखों हिंदुओं की हत्या करवाई। इसकी क्रूरता के कारण करीब-करीब पूरे भारतीय उपमहादीप में मुगल साम्राज्य अपना सबसे ज्यादा विस्तार कर पाया।

**चर्चा**

औरंगजेब की मृत्यु 1707 ईस्वी में हुई थी। कहा जाता है कि मौत से पहले इसको अपने किये

गुनाहों पर पछतावा था और औरंगजेब ने अपने बेटों, आजम शाह और काम बख्श को अपने खेद व्यक्त करने के लिए पत्र लिखे थे। इन पत्रों में उसने अपने पापों और असफलताओं के बारे में जिक्र किया। उसने अपने आखिरी पत्र में जो लिखा वह उसके पछतावे की कहानी कहता है। उसने मरने से पहले अपने बेटों को लिखी एक चिट्ठी में लिखा था कि उन्होंने लोगों का भला नहीं किया और उनका जीवन निरर्थक बीत गया। उन्होंने यह भी लिखा था कि उन्हें अपने पापों का परिणाम भुगतना होगा।

**बुराइयों में डूबा गुनहगार-** राम कुमार वर्मा की लिखी किताब 'औरंगजेब की आखिरी रात' में औरंगजेब के खत का मजमून कुछ यूं जिक्र किया गया है। "अब मैं बूढ़ा और दुर्बल हो गया हूं। मैं नहीं जानता मैं कौन हूं और इस संसार में क्यों आया। मैंने लोगों का भला नहीं किया, मेरा जीवन ऐसे ही निरर्थक बीत गया। भविष्य को लेकर मुझे कोई उम्मीद नहीं है, मेरा बुखार अब उतर गया है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि शरीर पर केवल चमड़ी हो। दुनिया में कुछ लेकर नहीं आया था, लेकिन अब पापों का भारी बोझ लेकर जा रहा हूं। मैं नहीं जानता कि अल्लाह मुझे क्या सजा देगा, मैंने लोगों को जितने भी दुख दिए हैं, वो हर पाप जो मुझसे हुआ है उसका परिणाम मुझे भुगतना होगा। बुराइयों में डूबा हुआ गुनाहगार हूं मैं।"

#### ऐसी औलाद से तौबा : शाहजहां

औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां पर भी काफी जुल्म किये थे। औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में कैद करके रखा और उन्हें पानी के लिए तरसाया था। शाहजहां ने अपनी आत्मकथा 'शाहजहांनामा' में औरंगजेब के लिए बहुत कठोर शब्दों का प्रयोग किया था। शाहजहां ने लिखा कि खुदा करे कि ऐसी औलाद किसी के यहां पैदा ना हो। शाहजहां ने लिखा है कि औरंगजेब से अच्छे तो हिंदू हैं, जो अपने माता-पिता की सेवा करते हैं और उनकी मृत्यु के बाद तर्पण करते हैं।

## हिंसक झड़पें : सीरिया की सरकार पर अचानक टूट पड़े असद समर्थक

# अंधाधुंध गोलीबारी, 200 से ज्यादा लोगों की मौत

**एजेंसी ● दमिश्क**

सीरिया में सरकार और पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थकों के बीच हुई हिंसक झड़पों में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई है। यह हिंसा उस समय भड़की जब लताकिया प्रांत के ग्रामीण इलाकों में सरकारी बलों पर असद के वफादार लड़ाकों ने घात लगाकर हमला किया। यह घटना असद शासन के पतन के बाद सबसे खतरनाक चुनौती मानी जा रही है।

सीरियाई ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार, शुक्रवार को हुई ताजा झड़पों में 120 से अधिक लोग मारे गए, जिससे यह असद के सत्ता से हटने के बाद का सबसे हिंसक दिन बन गया। ऑब्जर्वेटरी ने बताया कि जाबलेह के पास सरकारी बलों पर हुए हमले में कम से कम 13 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। इसके बाद सरकार ने क्षेत्र में भारी सैन्य बल तैनात किया और जवाबी कार्रवाई में असद समर्थक लड़ाकों को निशाना बनाया। ये झड़पें सीरिया के तटीय इलाकों, खासकर लताकिया और तारतूस में

हुईं, जो असद परिवार का गढ़ माने जाते हैं और जहां अलावाइट समुदाय का प्रभाव है। सरकार का दावा है कि उसने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है, लेकिन असद समर्थकों द्वारा बदले की कार्रवाइयों ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। शुक्रवार को कुछ कार्यकर्ताओं ने बताया कि अलावाइट क्षेत्रों में दर्जनों पुरुषों की हत्या कर दी गई, जिससे सांप्रदायिक हिंसा की आशंका बढ़ गई है। सीरिया की नई सरकार का नेतृत्व अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शारा कर रहे हैं। उन्होंने हिंसा को दबाने के लिए तटीय क्षेत्रों में कर्फ्यू लागू कर दिया और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया।

**स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक -** दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।

**संपादक-** दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)